सूर्योदय - 06:26
सूर्यास्त - 05 : 44

अधिकतम तापमान 32.0°
न्यूनतम तापमान 19.0°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# ओपन सर्च

RNI No.DELHIN/2015/66886

खबरें और विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें

Mob. : 9210092542
opensearchnews@gmail.com

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

वर्ष : 12 अंक : 353 नई दिल्ली, शुक्रवार 27 नवम्बर-2026
नई दिल्ली, हरियाणा, बिहार से प्रकाशित
` मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

# संविधान की शक्ति से सामान्य मानव हुआ सशक्त : पीएम मोदी

नई दिल्ली.एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक लेख लिखा है। उन्होंने लेख में कहा है कि संविधान की शक्ति से सामान्य मानव को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं। पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को 'फर्स्ट एंड फोरमोस्ट अ सोशल डॉक्यूमेंट' बताया था। सामाजिक और आर्थिक न्याय की भावना हमारे संविधान के मूल में समाहित है।

ऐसे में संविधान निर्माताओं के इस बहुमूल्य सपने को साकार करने के प्रयासों से अधिक संतोषजनक और क्या हो सकता है? पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से किसी परिवार को झोपड़ी से



**पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं**

निकलकर पक्के मकान में गृह प्रवेश का अवसर मिलता है, तब गरिमापूर्ण जीवन जीने का संवैधानिक संकल्प सही मायनों में साकार होता है।

जब उज्ज्वला योजना किसी मां को धुएं से भरी रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं। पीएम मोदी ने लेख के जरिए बताया है कि जब आयुष्मान भारत की वजह से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता किए बिना अच्छा इलाज मिलता है, तब उसके जीवन में सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है। जब मुद्रा योजना और पीएम स्वनिधि के तहत छोटे उद्यमियों और रेहड़ी-पटरी वालों को बिना गारंटी के ऋण मिलता है, तब आर्थिक न्याय की संवैधानिक भावना जमीन पर उतरती है।

## 'संविधान की मूल प्रति में भगवान राम, बुद्ध, महावीर और गुरु गोबिंद सिंह के चित्र', शाह ने संविधान की भावना समझने की अपील की

**नई दिल्ली।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'संविधान गौरव दिवस' कार्यक्रम में कहा कि संविधान का सम्मान करना सभी भारतीयों के लिए महत्वपूर्ण और गर्व की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आजादी के बाद संविधान को केवल सरकार चलाने की मार्गदर्शिका के तौर पर देखने की कोशिश की गई और नागरिकों, विशेषकर युवाओं में संविधान की भावना को मजबूत करने पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया।

दिल्ली में आयोजित संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि जब नरेंद्र मोदी 2014 में प्रधानमंत्री बने, तो 2015 में उन्होंने हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि संविधान



के सर्वोच्च मूल्यों को स्कूलों, कॉलेजों और देश के नागरिकों तक पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा, 'संविधान का सम्मान करना हम सभी भारतीयों के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण और गर्व की जिम्मेदारी है। हालांकि, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के बाद संविधान को केवल सरकार चलाने की एक गाइडबुक के रूप में देखने की कोशिश की गई और देश के किशोरों, युवाओं तथा नागरिकों के बीच इसकी भावना को जगाने और मजबूत करने की प्रक्रिया को भुला दिया गया।

# राष्ट्रपति ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों और शहीदों को दी श्रद्धांजलि

## आतंकवाद कभी भी साहस और दृढ़ता से एकजुट राष्ट्र के हौसले को नहीं तोड़ सकता : मुर्मु

नई दिल्ली.ओपन सर्च

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि आतंकवाद कभी भी उस राष्ट्र के हौसले को नहीं तोड़ सकता, जो एकजुट होकर खड़ा हो। राष्ट्रपति मुर्मु ने बयान में कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों की इस बरसी पर मैं अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को नमन करती हूं। साथ ही, मैं हमारे बहादुर सैनिकों, पुलिसकर्मियों और उन सभी लोगों के साहस को सलाम करती हूं, जो आतंकवाद के खिलाफ निडर होकर खड़े रहे।

उनका बलिदान और निस्वार्थ सेवा हमेशा हमारे देश की आत्मा में बसी रहेगी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद भले ही लोगों की जिंदगी तबाह कर दे लेकिन यह उस देश के हौसले को कभी नहीं तोड़ सकता, जो साहस, करुणा और दृढ़ता के साथ एकजुट हो। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज हम पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं।

हम आतंकवाद को हर रूप से खत्म करने और एक अधिक शांतिपूर्ण व मानवीय दुनिया बनाने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराते हैं। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 10 आतंकवादियों द्वारा किए गए



**राष्ट्रपति कहा 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों की इस बरसी पर मैं अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को नमन करती हूं। साथ ही, मैं हमारे बहादुर सैनिकों, पुलिसकर्मियों और उन सभी लोगों के साहस को सलाम करती हूं, जो आतंकवाद के खिलाफ निडर होकर खड़े रहे**

26/11 के हमले की रात को शुरू हुए और 29 नवंबर तक चले। मुंबई में कई प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, होटलों और अन्य जगहों को निशाना बनाकर सिलसिलेवार हमले किए गए।

आतंकवादियों ने छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन, लियोपोल्ड कैफे, दो अस्पतालों, नरीमन हाउस, ताजमहल पैलेस और ओबेरॉय-ट्राइडेंट होटलों सहित कई जगहों पर हमले किए। चार दिनों तक चले इस हमले में 166 लोगों की जान गई और लगभग 300 लोग घायल हुए।

सुरक्षा बलों के ऑपरेशन के दौरान 10 में से 9 आतंकवादी मारे गए जबकि अजमल आमिर कसाब को जिंदा पकड़ लिया गया। उसे 2010 में मौत की सजा सुनाई गई और 2012 में फांसी दे दी गई। ये हमले भारत के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक हैं और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षा बलों द्वारा दिए गए बलिदानों की याद दिलाते हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 26/11 के कायरतापूर्ण आतंकी हमलों में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद करते हुए मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

# बंगाल का सड़क नेटवर्क अमेरिका के बराबर होगा : नितिन गडकरी



कोलकाता.एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के सड़क और राजमार्ग बुनियादी ढांचे को बदलने के लिए अगले पांच वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपए के भारी निवेश की घोषणा की। उन्होंने वादा किया कि राज्य का सड़क नेटवर्क अमेरिका के सड़क नेटवर्क के बराबर होगा।

इस घोषणा में कोलकाता के चारों ओर 250 किलोमीटर लंबी रिंग रोड बनाने की योजना भी शामिल है। यह राज्य में केंद्र सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने की एक बड़ी पहल है। गडकरी ने पूर्वी मिदनापुर जिले के कोलाघाट में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। इस दौरान उन्होंने 27,000 करोड़ रुपए की राष्ट्रीय राजमार्ग और पुल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 22 राष्ट्रीय राजमार्ग कार्य शामिल हैं, जिन पर 8,700 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। गडकरी ने कहा, आज, मैं अपने मंत्रालय की ओर से अगले कुछ वर्षों में सड़कों, राजमार्गों और पुलों के विकास के लिए कुल 1 लाख करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा करता हूं। मैं वादा करता हूं कि अगले पांच वर्षों में पश्चिम बंगाल का सड़क बुनियादी ढांचा अमेरिका जैसा होगा। उन्होंने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए राज्य सरकार से सहयोग मांगा, ताकि भूमि अधिग्रहण में तेजी लाई जा सके, पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त की जा सके और जहां भी जरूरी हो, वहां से अतिक्रमण हटाए। उन्होंने कहा, राज्य सरकार से मेरी बस यही विनती है कि वे भूमि की व्यवस्था करें, पर्यावरणीय मंजूरी दिलाएं और जहां जरूरी हो, वहां से अतिक्रमण हटाएं।

# अखिलेश ने 2027 के लिए खोला वादों का पिटारा, पुरानी पेंशन बहाली, पांच रुपए में भोजन की घोषणा

## प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार किए जाएंगे : अखिलेश

लखनऊ.एजेंसी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को संविधान दिवस के मौके पर पार्टी का चुनावी घोषणा पत्र जारी कर युवाओं, किसानों, महिलाओं, कर्मचारियों और वंचित वर्गों के लिए वादों की लंबी फेहरिस्त पेश की। 'जन-मन घोषणा-पत्र' और 'सत्ताइस का संकल्प : पीडीए का प्रणपत्र' के जरिए सपा ने रोजगार, आरक्षण, सामाजिक न्याय और आर्थिक सुरक्षा को अपने चुनावी एजेंडे के केंद्र में रखा है।

सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में 10 लाख सरकारी पदों को तत्काल भरने का निर्णय लिया जाएगा। रोजगार मिलने तक पात्र बेरोजगार स्नातकों को हर महीने पांच हजार रुपए भत्ता देने और किसानों की कर्जमाफी का वादा किया है।



**सरकार बनने पर पहली कैबिनेट बैठक में 10 लाख सरकारी पदों को तत्काल भरने का निर्णय लिया जाएगा। रोजगार मिलने तक पात्र बेरोजगार स्नातकों को हर महीने पांच हजार रुपए भत्ता देने और किसानों की कर्जमाफी का वादा किया है**

अखिलेश यादव ने लखनऊ में घोषणा पत्र जारी करते हुए कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार किए जाएंगे। सरकारी विभागों में रिक्त पदों को भरने के साथ भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेरोजगार स्नातकों को नौकरी मिलने तक हर महीने पांच हजार रुपए का पोषण भत्ता दिया जाएगा। भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पेपर लीक की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई होगी।ह्य ऐसी घटनाओं के लिए संबंधित मंत्री और अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

सरकारी भर्तियों की परीक्षाएं तीन से छह महीने के भीतर कराने और नियुक्तियों में अनावश्यक देरी रोकने का भी वादा किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में सपा ने 26 हजार बंद प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोलने, 12वीं पास छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देने और प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू करने की घोषणा की है। पार्टी ने गरीब और पीडीए वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराने तथा कौशल विकास के जरिए रोजगार से जोड़ने की बात कही है।

# उपराष्ट्रपति ने संविधान दिवस के अवसर पर भारत के संविधान के अद्यतन संस्करणों का सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में विमोचन किया

नई दिल्ली.ओपन सर्च

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज संविधान दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत के संविधान के अद्यतन संस्करणों का सभी 22 अनुसूचित भाषाओं में विमोचन किया। उपराष्ट्रपति ने इस अवसर को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का एक ऐतिहासिक पड़ाव बताते हुए कहा कि संविधान को सभी अनुसूचित भाषाओं में उपलब्ध कराना भारत की भाषाई विविधता और लोकतांत्रिक समावेशिता का उत्सव है।

उन्होंने कहा कि अपनी मातृभाषा में संविधान की उपलब्धता से नागरिक शासन व्यवस्था, अपने संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और मूल्यों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। सी. पी. राधाकृष्णन ने संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. बी. आर. अंबेडकर और संविधान सभा के अन्य सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित



करते हुए कहा कि संविधान केवल एक कानूनी ढांचा नहीं, बल्कि राष्ट्र की जीवंत आत्मा है। उन्होंने केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और उनकी टीम के संविधान को आम जनता के और करीब लाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये प्रयास भारत की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की भाषाओं और ज्ञान परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए की गई पहलों का भी उल्लेख किया।

# 'जनदर्शन' में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुलझाने सीएम साय ने मौके पर की पहल

## जरूरतमंदों को तत्काल आर्थिक सहायता स्वीकृत, अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश



ओपन सर्च. संवाददाता

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज 'जनदर्शन' में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संवेदनशीलता और आत्मीयता से लोगों की समस्याएं सुनकर तत्काल मौके पर ही समाधान की पहल की। आर्थिक तंगी के कारण इलाज नहीं हो पाने की जानकारी मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को तत्काल उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कैंसर पीड़ित पिता के इलाज में परिवार की जमा पूंजी खत्म हो जाने से पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रही जशपुर की फरहीन को उन्होंने हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

**आर्थिक तंगी के कारण इलाज नहीं हो पाने की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री अधिकारियों को तत्काल उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए**

मुख्यमंत्री ने कई जरूरतमंदों के लिए तत्काल आर्थिक सहायता भी स्वीकृत की। मुख्यमंत्री साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित 'जनदर्शन' में लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कोरबा जिले के कटघोरा विकासखंड के भलपहरी, हरदी बाजार निवासी 83 वर्षीय परसराम राठौर पिछले 30 वर्षों से कम सुनाई देने की समस्या से जूझ रहे थे। अपने बेटे के साथ 'जनदर्शन' में पहुंचे राठौर ने मुख्यमंत्री को बातचीत और रोजमर्रा के कामकाज में आने वाली परेशानियों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रवण यंत्र प्रदान किया। बातचीत के दौरान जब उन्हें पता चला कि राठौर को देखने में भी परेशानी है, तो उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को उनकी आंखों की जांच कराकर चश्मा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। श्रवण यंत्र मिलने के बाद राठौर वर्षों बाद साफ आवाजें सुन सके।

# भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के साथ मौजूदा खतरों से निपटने की तैयारी जरूरी : राजनाथ सिंह

## संघर्ष का स्वरूप बदल रहा है, साइबर हमलों, दुष्प्रचार, आर्थिक दबाव का हो रहा है इस्तेमाल : राजनाथ

नई दिल्ली.एजेंसी

वैश्विक शक्ति संतुलन बदल रहा है। रणनीतिक प्रभाव के नए केंद्र उभर रहे हैं और पारंपरिक गठजोड़ व साझेदारियां भी नए सिरे से आकार ले रही हैं। गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ये बात कही। उन्होंने बताया कि कि संघर्ष का स्वरूप भी बदल रहा है। पारंपरिक सैन्य खतरों के साथ-साथ अब साइबर हमले, दुष्प्रचार, आर्थिक दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और हाइब्रिड युद्ध के अन्य रूप भी देखने को मिल रहे हैं। आंतरिक और बाहरी सुरक्षा के बीच तथा शांति और संघर्ष के बीच की सीमाएं भी लगातार धुंधली होती जा रही हैं। रक्षा मंत्री नई दिल्ली में नेशनल डिफेंस कॉलेज (एनडीसी) के 66वें पाठ्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि भारत के लिए इन बदलावों का




विशेष महत्व है। भारत की भौगोलिक स्थिति, लंबी जमीनी सीमाएं, समुद्री हित और बढ़ती अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियां उसे एक जटिल रणनीतिक वातावरण में रखती हैं। ऐसे में चुनौती केवल तत्काल खतरों का प्रभावी ढंग से जवाब देने तक सीमित नहीं है, बल्कि उभरते जोखिमों का अनुमान लगाने, संभावित परिस्थितियों का आकलन करने और भविष्य के सुरक्षा माहौल के लिए संस्थानों को तैयार करने की भी है। रक्षा मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मामलों में निर्णय लेने वाले लीडर्स के पास हमेशा सारी जानकारी उपलब्ध नहीं होती और न ही हर संभावित विकल्प पर विचार करने के लिए पर्याप्त समय होता है। ऐसे में उन्हें विवेकपूर्ण निर्णय लेने, उपलब्ध विकल्पों का आकलन करने और परिस्थितियों के अनुरूप सबसे उचित कदम चुनने की जरूरत होती है। रक्षामंत्री ने कहा कि रणनीतिक नेतृत्व की असली चुनौती पूरी जानकारी या आदर्श परिस्थितियों का इंतजार करना नहीं, बल्कि सोच-समझकर निर्णय लेना है। साथ ही, इन निर्णयों के व्यापक सैन्य, आर्थिक, कूटनीतिक और संस्थागत प्रभावों को भी ध्यान में रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि आईआईटी मद्रास के सहयोग से रणनीतिक नेतृत्व और लोक नीति में कार्यकारी एमबीए कार्यक्रम की शुरुआत महत्वपूर्ण कदम है। आईआईटी मद्रास जैसे प्रतिष्ठित संस्थान के साथ जुड़ाव से राष्ट्रीय सुरक्षा के अध्ययन में प्रबंधन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ी विशेषज्ञता भी शामिल हुई है। राजनाथ सिंह ने कहा कि 1960 में स्थापना के बाद से नेशनल डिफेंस कॉलेज भारत के प्रमुख रणनीतिक अध्ययन संस्थान के रूप में विकसित हुआ है। दशकों में इसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मजबूत पहचान बनाई है। इसके पूर्व छात्र

## सीजेपी नेता सौरव दास के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

**नई दिल्ली.एजेंसी** कॉकरोच जनता पार्टी' के सह-संयोजक सौरव दास के खिलाफ एक 'लुक आउट सर्कुलर' (एलओसी) जारी किया गया है, जिससे उनके विदेश जाने पर रोक लगी है। गुरुवार को केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में यह जानकारी दी। सौरव दास की विदेश जाने से रोकने के खिलाफ दायर याचिका पर गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने हाईकोर्ट को बताया कि सौरव दास के खिलाफ 'लुक आउट सर्कुलर' जारी किया गया है। चेतन शर्मा ने बताया कि सौरव दास के पासपोर्ट में पाई गई कमियों का असर उनकी भारतीय नागरिकता पर भी पड़ सकता है। वहीं, सौरव दास की ओर से पेश हुए वकील ने कोर्ट में पक्ष रखा कि जब इमिग्रेशन अधिकारियों ने उन्हें फ्लाइट में चढ़ने से रोका, तो उन्हें इस 'लुक आउट सर्कुलर' के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

# मुख्यमंत्री नायब सैनी और हरविंद्र कल्याण ने महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं संविधान को पुष्प अर्पित कर किया नमन

ओपन सर्च ब्यूरो



**चंडीगढ़।** संविधान दिवस के अवसर पर हरियाणा विधानसभा में संविधान पखवाड़ा के अंतर्गत संविधान को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण सहित नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, मंत्रीगण,विधायकगण तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार उपस्थित रहे।

विधानसभा के सेरेमोनियल गेट के निकट लाइब्रेरी परिसर में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं भारतीय संविधान को पुष्प अर्पित कर नमन करने के साथ हुई। इसके उपरांत विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने मुख्यमंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में संविधान के महत्व, उसकी मूल भावना और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'हरियाणा की 60 वर्षों की गौरवमयी विकास यात्रा तथा विकसित हरियाणा के लक्ष्य की प्राप्ति में जनभागीदारी एवं नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने में जनप्रतिनिधियों की भूमिका' रहा। कार्यक्रम के समापन पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया, जिसे मुख्यमंत्री सहित उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य अतिथियों ने दोहराया। इस अवसर पर संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई गई। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. दिनेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान एक जीवंत दस्तावेज है, जो समय के साथ देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक मूल्यों को दिशा देता है।

जनप्रतिनिधियों ने पिछले वर्षों में आम नागरिकों को मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब आवश्यकता है कि नागरिकों को उनके मौलिक कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, हिंसा को बढ़ावा न देना, देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करना तथा पर्यावरण, वन एवं वन्यजीवों का संरक्षण करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक दायित्व है। नीतियों और विचारों का विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन विरोध के नाम पर देश की एकता और अखंडता के विरुद्ध गतिविधियां उचित नहीं हैं। उन्होंने मानवता, भाईचारे और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि भारत की विविधता उसकी ताकत है। धर्म, भाषा, क्षेत्र और अन्य भिन्नताओं के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। जनप्रतिनिधियों को इन संवैधानिक मूल्यों और कर्तव्यों के प्रति आमजन को निरंतर जागरूक करना चाहिए।

### हरियाणा विधानसभा में शोक प्रस्ताव पारित, पूर्व विधायकों एवं प्रदेश के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

हरियाणा विधानसभा के आयोजित एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान विधानसभा के गत सत्र से अब तक दिवंगत हुए प्रमुख व्यक्तियों, हरियाणा के शहीदों तथा सदन के सदस्यों के परिजनों को श्रद्धांजलि देने के लिए शोक प्रस्ताव पारित किए गए। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शोक प्रस्ताव पढ़े और दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने भी शोक प्रस्ताव पढ़े और शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की। नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के विधायक आदित्य देवीलाल ने भी अपने-अपने दलों की ओर से शोक प्रस्ताव पढ़े और दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की।

## हरियाणा विधानसभा में सत्र का आयोजन, जगमोहन आनंद ने की संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित

गीता देवी/ओपन सर्च ब्यूरो



**करनाल।** संविधान दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा विधानसभा में विशेष सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें करनाल के विधायक जगमोहन आनंद ने भी भाग लिया। इस अवसर पर विधायक ने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि भारत का संविधान अत्यंत मजबूत, व्यापक और जनभागीदारी की भावना से परिपूर्ण है। संविधान ने ही प्रत्येक जनप्रतिनिधि को यह अधिकार और शक्ति प्रदान की है कि वह सदन में आम जनता की आवाज उठाकर उनके हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से रख सके।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है। विपक्षी दलों द्वारा समय-समय पर संविधान को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास किया गया है, जबकि देश का संविधान पूरी तरह मजबूत और सुरक्षित है। संविधान को किसी प्रकार का खतरा नहीं है। विधायक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार गरीब, वंचित, पिछड़े और अंत्योदय वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी को नमन करते हुए विधायक ने कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक समानता, शिक्षा और अधिकारों के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेते हुए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा पिछड़े एवं वंचित वर्गों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

## अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में टीना ने हरियाणा पवेलियन में प्रदर्शित किए अपने उत्पाद



ओपन सर्च ब्यूरो

**चंडीगढ़।** अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में बनाए गए हरियाणा पवेलियन में इस बार 23 वर्षीय युवा उद्यमी टीना जैन का स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इतनी कम उम्र में दो ब्रांड खड़े कर चुकीं टीना जैन अपने स्टॉल पर मसाले और गुड़-चना प्रदर्शित कर रही हैं। मेले में आने वाले लोगों से उन्हें बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। उन्होंने एक युवा उद्यमी के रूप में पहचान बनाई है। टीना जैन ने बताया कि करीब तीन साल पहले, जब वे 20 वर्ष की थीं, तब उनके मन में ब्रांड बनाने का विचार आया। उस समय उनके पिता मूंगफली ट्रेडिंग का काम करते थे। इसी पृष्ठभूमि के बीच परिवार में अपना ब्रांड लाने का विचार आया। तब उन्होंने मसाले, मूंगफली और गुड़ चने जैसे उत्पादों को ध्यान में रखकर ब्रांड की शुरुआत की। इसी सोच के साथ उन्होंने एफएसएससी वर्जन-6 लीड ऑडिटर का कोर्स किया और फूड सेफ्टी की बारीकियों को समझा।

उन्होंने बताया कि इस पढ़ाई के बाद उन्हें साफ समझ आया कि पैकेट पर छपे लेबल और भीतर मौजूद उत्पाद के बीच काफी अंतर होता है। इसी अंतर को दूर करने के उद्देश्य से उन्होंने अपना ब्रांड लॉन्च किया। टीना जैन ने बताया कि उनके पिता ने इस सफर में पूरा सहयोग किया। उनके सहयोग से उन्होंने ग्रोसरी ब्रांड 'फैमिली च्वाइस' की शुरुआत की। इसके बाद करीब एक महीने पहले उन्होंने रोस्टेड स्नैक्स का नया ब्रांड 'भुना' लॉन्च किया। टीना जैन के अनुसार भुना की सबसे बड़ी पहचान यही है कि इसके स्नैक्स वास्तव में रोस्टेड हैं, केवल दावे तक सीमित नहीं। उन्होंने बताया कि ट्रेड फेयर में प्रदर्शनी के दौरान उन्हें बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। उनके स्टॉल पर आने वाले लोग उत्पादों की गुणवत्ता को समझ रहे हैं, उसे पसंद कर रहे हैं और बाजार में उपलब्ध अन्य उत्पादों तथा उनके उत्पादों के बीच का अंतर भी महसूस कर रहे हैं। अपनी सूझबूझ, सीखने की लगन और परिवार के सहयोग से टीना जैन ने यह साबित किया है कि उम्र नहीं, बल्कि सोच और मेहनत किसी भी उद्यम की नींव होती है। हरियाणा पवेलियन में उनका स्टॉल प्रदेश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का उदाहरण बनकर उभरा है।

## संत सिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं पावन जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही समरसता संकल्प यात्रा पहुंची घरौंडा

ओपन सर्च ब्यूरो

**घरौंडा।** संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी महाराज के 650 वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित 'समरसता संकल्प यात्रा' का घरौंडा के ऑडिटोरियम में विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साह और आत्मीयता के साथ स्वागत किया। यात्रा के दौरान आमजन में विशेष जोश और उत्साह देखने को मिला तथा लोगों ने बड़ी संख्या में आगे बढ़कर यात्रा में सहभागिता की। इस मौके पर संत सिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की चरण पादुकाओं के श्रद्धालुओं ने दर्शन किए और उनकी प्रतिमा व चित्र पर पुष्पार्पित किए। यात्रा का घरौंडा में पहुंचने पर संत धूनी दास जी महाराज, संत सतनाम जी, संत नरेश दास, पूर्व चेयरमैन निर्मला बैरागी, नगरपालिका के चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, स्पीकर हरविंद्र कल्याण के राजनैतिक सचिव सुरेंद्र भोरिया सहित कई समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने स्वागत किया तथा चरण पादुकाओं पर पुष्पवर्षा की। यात्रा के साथ अनुसूचित जाति मार्चो के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद शिवेश कुमार राम ने कहा कि संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी के 650 वें प्रकाश वर्ष के उपलक्ष्य में यह समरसता संकल्प यात्रा निकाली जा रही है।

यह यात्रा 18 नवंबर को जालंधर के डेरा सचखंड बल्लां से शुरू हुई थी। यात्रा 16 दिनों में हरियाणा के 8 जिलों से होकर गुजरेगी और 3 दिसंबर को गुरु जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, वाराणसी पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि गुरु रविदास जी के समता, भाईचारा, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का एक महान संकल्प है। उन्होंने विशेष रूप से यात्रा का स्वागत भव्य रूप से करने के लिए हरविंद्र कल्याण का आभार प्रकट किया।

## 18 से 20 दिसंबर तक होगा 3 दिवसीय जिला स्तरीय गीता महोत्सव का होगा आयोजन : उपायुक्त

ओपन सर्च ब्यूरो



**करनाल।** उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने वीरवार को जिला सचिवालय के सभागार में जिला अधिकारियों की बैठक ली और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला स्तरीय तीन दिवसीय गीता महोत्सव का आयोजन आगामी 18 से 20 दिसंबर तक स्थानीय डॉ. मंगलसेन सभागार में भव्य ढंग से किया जाएगा। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित विभागों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए कहा कि सभी अधिकारी आपसी तालमेल के साथ समय रहते अपनी तैयारियां पूरी करें। उन्होंने निर्देश दिए कि समारोह के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा जल्द तैयार कर ली जाए। आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध बिजली आपूर्ति, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और बैठने की समुचित व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों, धार्मिक गतिविधियों और प्रदर्शनी आदि के सफल आयोजन के लिए भी पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने कहा कि गीता जयंती समारोह भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और जीवन मूल्यों का प्रतीक है। श्रीमद्भागवत गीता का संदेश मानव जीवन को सही दिशा देने के साथ-साथ कर्तव्य, कर्म, सेवा, अनुशासन और नैतिकता की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति और गीता के जीवनोपयोगी संदेशों से जुड़ने का अवसर मिलता है।

उन्होंने समारोह में अधिक से अधिक आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि यह आयोजन एक जन-उत्सव का रूप ले सके। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी सौंपी गई जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतें, जिससे यह समारोह श्रद्धा, संस्कृति और उत्साह के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन का प्रयास रहेगा कि 18 से 20 दिसंबर तक आयोजित होने वाला गीता जयंती समारोह श्रद्धा, संस्कृति और उत्साह के वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो। उपायुक्त ने बताया कि गीता महोत्सव को लेकर कमेटियों का गठन किया गया है।

## संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' में निहित है, लोकतंत्र में सर्वोच्च शक्ति जनता के हाथों में है : अनिल विज

ओपन सर्च ब्यूरो



**चंडीगढ़।** हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने संविधान दिवस के अवसर पर कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' में निहित है और लोकतंत्र में सर्वोच्च शक्ति जनता के हाथों में है। उन्होंने संविधान दिवस मनाने की पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन हमें संविधान में निहित मूल्यों, नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों पर चिंतन करने का अवसर प्रदान करता है।

विज ने कहा कि अनेक धर्मों, जातियों, भाषाओं और संस्कृतियों वाला भारत अपनी विविधताओं के बावजूद एकजुट है और 'अनेकता में एकता' ही हमारी सबसे बड़ी विशेषता है। संविधान ने देश की एकता, अखंडता और समानता को मजबूत आधार दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की विकास यात्रा भी प्रदेश के मेहनतकश किसानों, प्रतिभाशाली युवाओं, शिक्षकों और प्रभावी शासन व्यवस्था के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। विज चण्डीगढ में हरियणा विधानसभा में संविधान समर्पित विशेष सत्र में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि 26 नवंबर, 1949 को देश ने संविधान अंगीकार किया था। उन्होंने संविधान दिवस मनाने की पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस दिन का उद्देश्य संविधान के प्रति हमारी भावनाओं, उसमें निहित मूल्यों तथा नागरिकों को मिले अधिकारों और कर्तव्यों पर विचार करना है। विज ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत की विशेषता केवल इसकी विशाल जनसंख्या नहीं, बल्कि इसकी विविधता भी है। यहां अनेक धर्मों, जातियों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोग रहते हैं। इतनी विविधताओं के बावजूद अनेकता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी पहचान है।

### 'हम भारत के लोग'-संविधान की आत्मा : विज

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना के शुरुआती शब्द 'हम भारत के लोग' ही इसकी मूल भावना को सबसे प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति जनता से बड़ा नहीं है-न प्रधानमंत्री, न मुख्यमंत्री और न ही कोई मंत्री।

जनप्रतिनिधियों और सरकारों को जो शक्ति/ताकत प्राप्त होती है, उसका स्रोत जनता है। जनता से प्राप्त जनादेश के आधार पर ही नीतियां बनती हैं और सरकारें संचालित होती हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम नहीं करती, तो जनता लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से उसे बदल भी देती है। संविधान ने सत्ता किसी एक व्यक्ति के हाथ में नहीं दी, बल्कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता के हाथ में निहित की है।

## संविधान की भावना के अनुरूप कार्य करना प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी का दायित्व : उपायुक्त नेहा सिंह

### संविधान दिवस पर लघु सचिवालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लिया संविधान की उद्देशिका के पालन का संकल्प

ओपन सर्च ब्यूरो



**सोनीपत।** संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त नेहा सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाते हुए संविधान की मूल भावना के अनुरूप कार्य करने और अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारतीय संविधान देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजबूत आधार है। संविधान ने भारत को संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और लोकतंत्रात्मक गणराज्य के रूप में स्थापित किया है। इसकी मूल भावना ने देश के नागरिकों को समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुता के सूत्र में बांधने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, जबकि 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। संविधान केवल देश का सर्वोच्च विधान ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के अधिकारों और कर्तव्यों का मार्गदर्शक भी है। इसमें हमें समान अधिकार प्रदान किए गए हैं, वहीं राष्ट्र और समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारियां भी निर्धारित की गई हैं।

उपायुक्त ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधिकारों के साथ-साथ संवैधानिक कर्तव्यों को भी पूरी गंभीरता से समझें और उनका पालन करें। सरकारी सेवाओं में कार्य करते समय संविधान की भावना को सर्वोपरि रखते हुए निष्पक्षता, समानता और जनसेवा के मूल्यों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं ने जिस न्यायपूर्ण, समतामूलक और सशक्त भारत का सपना देखा था, उसे साकार करने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संविधान में निहित आदर्शों को अपने व्यवहार और कार्यशैली में अपनाकर ही एक मजबूत, समरस और विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। संविधान दिवस के अवसर पर जिला के सभी विभागों में भी अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान की मूल भावना के अनुरूप कार्य करने की शपथ ली। इस अवसर पर डीसीपी जितेंद्र गहलावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## लोकसभा सत्र पर असमंजस दूर करे भाजपा सरकार : सांसद कुमारी सैलजा

ओपन सर्च ब्यूरो



**चंडीगढ़।** सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति की सदस्य एवं कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव कुमारी सैलजा ने संविधान दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों को नमन करते हुए नागरिकों से संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। कुमारी सैलजा ने कहा कि भारतीय संविधान हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और गरिमा के साथ जीने का अधिकार देता है। इन अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान और सरकार की जवाबदेही जरूरी है।

संसद में निर्वाचित प्रतिनिधि जनता की समस्याएँ उठाते हैं और सरकार से उसके फैसलों पर जवाब मांगते हैं।

लोकसभा सत्र को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए सांसद ने कहा कि कभी सत्र बुलाने की बात कही जाती है, तो कभी कहा जाता है कि सत्र नहीं होगा। बदलते बयानों से लगता है कि सरकार खुद असमंजस में है और सदन में विपक्ष के सवालों का सामना करने से डर रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार लोकसभा सत्र को लेकर अपना रुख स्पष्ट करे और जनता से जुड़े मुद्दों पर सदन में चर्चा सुनिश्चित करे। सैलजा ने आरोप लगाया कि संसदीय इतिहास में आज तक किसी सरकार ने संसद को इतना नज़रअंदाज़ नहीं किया, जितना भाजपा सरकार कर रही है। सांसद ने कहा कि उनके आकलन में भाजपा के शासन में संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने जितना गंभीर खतरा आज है, उतना पहले कभी नहीं रहा। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपनी बात रखने का पूरा अवसर मिलना चाहिए और सरकार को सदन में उठाए गए सवालों का जवाब देना चाहिए। सांसद ने कहा कि कांग्रेस संविधान की सर्वोच्चता, नागरिकों के अधिकारों और संसद की गरिमा की रक्षा के लिए अपनी आवाज उठाती रहेगी।

## आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई और विभागों के बेहतर समन्वय को परखने के लिए टीकाराम गर्ल्स कॉलेज में संपन्न हुई मॉक ड्रिल

ओपन सर्च ब्यूरो



**सोनीपत।** किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने, राहत एवं बचाव कार्यों की तत्परता जांचने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा गुरुवार को टीकाराम गर्ल्स कॉलेज में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

एसडीएम सोनीपत सुभाष चंद्र की अध्यक्षता में आयोजित इस संयुक्त अभ्यास में पुलिस, होमगार्ड, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन विभाग, एनसीसी, स्काउट एंड गाइड, रोटरी क्लब तथा अन्य संबंधित विभागों की टीमों ने भाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले जैसी आपातकालीन स्थिति का परिदृश्य तैयार किया गया, ताकि यह परखा जा सके कि अचानक संकट उत्पन्न होने पर प्रशासन और संबंधित विभाग कितनी तेजी और प्रभावी तरीके से कार्रवाई करते हैं। सुबह 10 बजकर 8 मिनट पर सायरन बजते ही मॉक ड्रिल शुरू हुई। इसके साथ ही विभिन्न विभागों की टीमें निर्धारित जिम्मेदारियों के अनुसार सक्रिय हो गईं और राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया गया।

### सायरन बजते ही सक्रिय हुई राहत एवं बचाव टीमें

अभ्यास के दौरान आपातकालीन स्थिति में विद्यार्थियों एवं आमजन को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने, प्रभावित लोगों को बचाने, घायलों को प्राथमिक उपचार देने और एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल तक पहुंचाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। अग्निशमन विभाग की टीम ने आगजनी जैसी स्थिति से निपटने की तैयारी दिखाई, वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाने का अभ्यास किया। पुलिस, होमगार्ड और अन्य टीमों ने सुरक्षा व्यवस्था तथा राहत कार्यों में समन्वय की जिम्मेदारी निभाई। मॉक ड्रिल के माध्यम से यह भी परखा गया कि आपदा की स्थिति में सूचना तंत्र किस प्रकार कार्य करता है और विभिन्न विभागों के बीच किस तरह तेजी से सूचनाओं का आदान-प्रदान कर राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी बनाया जा सकता है। इस अभ्यास में आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता, प्रतिक्रिया क्षमता और निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार कार्रवाई करने की तैयारियों का मूल्यांकन किया गया।

### आपदा से निपटने के लिए पूर्व तैयारी और आपसी समन्वय जरूरी : एसडीएम

एसडीएम सुभाष चंद्र ने कहा कि आपदा कभी भी और किसी भी रूप में आ सकती है। ऐसी परिस्थितियों में जनहानि को कम करने के लिए प्रशासनिक तैयारियों का मजबूत होना और प्रत्येक विभाग का अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग रहना बेहद आवश्यक है। मॉक ड्रिल का उद्देश्य केवल अभ्यास करना नहीं, बल्कि वास्तविक आपदा के समय आने वाली चुनौतियों की पहचान करना और कमियों को दूर करना भी है। उन्होंने कहा कि पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन, होमगार्ड और अन्य संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय से ही आपातकालीन स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई संभव है।

# ‘साधारण परिवार में जन्मा बालक देश की सेवा का दायित्व संभाल रहा, यही संविधान की शक्ति का प्रमाण’ : पीएम मोदी

**संविधान भारतीय लोकतंत्र की अनमोल धरोहर, राष्ट्रीय संविधान दिवस पर मोदी ने दी शुभकामनाएं, बाबासाहेब को किया नमन**

नई दिल्ली (एजेंसी)



राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने बचपन के साधारण हालात और जीवन संघर्ष को याद किया है। उन्होंने कहा कि एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाला बालक, जिसे विरासत में कोई विशेषाधिकार या सुविधा नहीं मिली, एक दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सेवा का दायित्व संभाल सकता है, ये हमारे संविधान की असाधारण शक्ति का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को ‘संविधानः हमारी मार्गदर्शक शक्ति’ शीर्षक के साथ एक लेख लिखा। उन्होंने डॉ. राजेंद्र प्रसाद, बाबासाहेब आंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों को भी याद किया। अपने लेख में पीएम मोदी ने लिखा, 1949 में आज ही के दिन (26 नवंबर) संविधान सभा ने हमारे संविधान को अंगीकार किया था। आज हम डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों का स्मरण करते हैं। उनकी महानता इस बात में थी कि उन्होंने एक आधुनिक संविधान के निर्माण में भारत की समृद्ध परंपराओं और हमारी सभ्यता के अनुभव को भरपूर स्थान दिया। विविधताओं से भरे भारत में अनेक पंथ, भाषाएं, रीति-रिवाज और विचार परंपराओं की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ये बहुत जरूरी है कि संविधान की गूंज संसद और अदालतों की चारदीवारी से कहीं आगे तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास रहा है कि जन-जन की चेतना से, विशेषकर हमारे युवाओं से संविधान का जुड़ाव और गहरा हो। इससे राष्ट्रीय एकता की वो भावना और मजबूत होगी, जो भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ एक दशक पहले हमारी सरकार ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।

अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हमारा संविधान मेरे साथ करोड़ों भारतीयों की जीवन यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा है। बचपन के वो साधारण हालात और संघर्ष, जब भी मैं उस दौर को याद करता हूं, संविधान के प्रति मेरा हृदय अपार कृतज्ञता से भर जाता है। एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाला बालक, जिसे विरासत में कोई विशेषाधिकार या सुविधा नहीं मिली, एक दिन दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की सेवा का दायित्व संभाल सकता है, यह हमारे संविधान की असाधारण शक्ति का प्रमाण है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि यह हमारे संविधान की ही देन है कि आज किसी व्यक्ति के जन्म की परिस्थितियां उसके भविष्य की सीमाएं तय नहीं करतीं।

हमने अपने विनम्र प्रयासों से संविधान को और अधिक सशक्त बनाकर कृतज्ञता के इस ऋण को चुकाने की कोशिश की है।

**प्रधानमंत्री मोदी ने सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने ‘भारत रत्न’ भीमराव अंबेडकर को भी नमन किया और कहा कि संविधान के रूप में उनकी ओर से दी गई सौगात भारतीय लोकतंत्र की अनमोल धरोहर है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी। मोदी ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, ‘सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। इस पावन अवसर पर पूज्य बाबासाहेब व संविधान सभा की समस्त महान विभूतियों को मेरा नमन और वंदन। संविधान के रूप में उनकी ओर से दी गई सौगात भारतीय लोकतंत्र की अनमोल धरोहर है, जो विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी।’ प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय संविधान के निर्माताओं के सामूहिक चिंतन को नमन करते हुए ‘संस्कृत सुभाषितम्’ को साझा किया, जिसमें लिखा है, बहुधा बहुभिः सार्धं चिन्तिताः सुनिरूपिताः। कथञ्चिन्न विलीयन्ते विद्वद्भिश्चिन्तिता नयाः॥’ यह श्लोक प्रसिद्ध संस्कृत नीति ग्रंथ पञ्चतन्त्रम् के तृतीय तंत्र (काकोलूकीयम्) से लिया गया है। इस ‘सुभाषितम्’ में कहा गया है, विद्वानों द्वारा अनेक लोगों के साथ मिलकर भली-भांति विचार और विवेचना कर निर्धारित की गई नीतियां किसी भी परिस्थिति में नष्ट नहीं होतीं।**

## ‘हर भारतीय के अधिकार के लिए लड़ते रहेंगे’, खड़गे और राहुल गांधी ने दी राष्ट्रीय संविधान दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)



राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुभकामनाएं दी हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हम हर हाल में संविधान की रक्षा करेंगे और हर भारतीय के अधिकार के लिए लड़ते रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के शब्दों ‘राजनीतिक लोकतंत्र तब तक टिक नहीं सकता, जब तक उसके आधार में सामाजिक लोकतंत्र न हो।’ को दोहराया।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, मौलाना आजाद, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरोजिनी नायडू, बाबासाहेब अंबेडकर सहित उन सभी महान राष्ट्रनायकों को नमन, जिन्होंने आधुनिक भारत की नींव रखी।’ खड़गे ने आगे लिखा, आज संविधान के मूल आदर्शों - न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद की रक्षा करना हमारी सबसे बड़ी राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। आइए, हम संविधान और लोकतंत्र की रक्षा तथा देश की एकता, अखंडता और सद्भाव बनाए रखने का पुनः संकल्प लें। जय हिंद। जय संविधान। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ‘एक्स’ पोस्ट में लिखा, भारत का संविधान सिर्फ एक किताब नहीं, देश की आत्मा है। ये हर नागरिक की गरिमा का कवच है, हर आवाज की ताकत है, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे का रक्षक है। यही हमारे लोकतंत्र की नींव है और अन्याय के खिलाफ हमारा सबसे बड़ा हथियार। उन्होंने पोस्ट में लिखा, संविधान दिवस पर संकल्प दोहराता हूं, हम हर हाल में इसकी रक्षा करेंगे, और हर भारतीय के अधिकार के लिए लड़ते रहेंगे।

## हमारा संविधान स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व की गारंटी देता है : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)



संविधान दिवस के मौके पर गुरुवार को कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व की गारंटी देता है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि हमारा संविधान हर एक भारतवासी का सुरक्षा कवच है, जो हमें स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व की गारंटी देता है और हर एक नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है। संविधान का निर्माण करने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, क्रांतिकारियों और संविधान सभा के सम्मानित सदस्यों को नमन। आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि हम अपने संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करेंगे। सभी देशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं। जय हिंद! जय संविधान। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारा संविधान हर भारतीय को स्वतंत्रता, समानता, न्याय और सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है। गरीबों, वंचितों, दलितों, पिछड़े वर्गों, महिलाओं और आदिवासियों समेत हर नागरिक के अधिकारों का यह सबसे बड़ा सुरक्षा कवच है।

आइए, संकल्प लें कि हम अपने संविधान की रक्षा के लिए हमेशा खड़े रहेंगे। समस्त प्रदेशवासियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पोस्ट करते हुए लिखा कि भारतीय संविधान दिवस की शुभकामनाएं। डॉ. बीआर. अंबेडकर सहित सभी महान विभूतियों को सादर नमन, जिन्होंने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आइए, संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों, समानता, न्याय और स्वतंत्रता की रक्षा करने तथा देश की एकता, अखंडता और सद्भाव बनाए रखने का संकल्प मजबूत करें। संविधान के मूल्यों की रक्षा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेश बघेल ने पोस्ट में लिखा कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की आत्मा और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के आधारस्तंभ भारतीय संविधान को सादर नमन। संविधान दिवस के अवसर पर समस्त देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं। 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकृत किया था।

## पूर्व सांसद आनंद मोहन को सरेंडर करने का आदेश, सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई से जुड़े बिहार सरकार के फैसले को पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)



सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व सांसद आनंद मोहन को समय से पहले रिहा करने के बिहार सरकार के फैसले को पलट दिया। साथ ही, आनंद मोहन को एक महीने में सरेंडर करने का आदेश दिया गया है। आनंद मोहन 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए थे।

बिहार सरकार की ओर से जेल नियमों में किए गए संशोधन के चलते आनंद मोहन की रिहाई हुई थी। आनंद मोहन की रिहाई के बाद जिलाधिकारी जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी कृष्णैया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और पूर्व सांसद को फिर से जेल भेजे जाने की मांग की। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार के 2023 के संशोधन को भी असंवैधानिक घोषित किया। अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, 10 अप्रैल 2023 की अधिसूचना को असंवैधानिक, अमान्य और निष्प्रभावी घोषित किया जाता है, और इसे रद्द किया जाता है। इस फैसले में दर्ज निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए प्रतिवादी को समय से पहले रिहा करने का 24 अप्रैल 2023 का आदेश रद्द किया जाता है। प्रतिवादी को आज से एक महीने के भीतर सक्षम जेल प्राधिकरण के समक्ष अनिवार्य रूप से आत्मसमर्पण करना होगा। अदालत ने स्पष्ट किया है कि समयपूर्व रिहाई पर विचार करते समय पीड़ित को सुनवाई से वंचित नहीं किया जा सकता है। सजा में छूट देने का अधिकार सरकार के पास हो सकता है, लेकिन उसका इस्तेमाल कानून, निष्पक्षता और पीड़ित के अधिकारों को ध्यान में रखकर ही किया जाना चाहिए।

## अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर पर दिखी भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर की ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)



अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर पर गुरुवार को सेना के चार माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट उतरे और उड़ान भरी। यह देश में तेजी से विकसित हो रहे इन्फ्रास्ट्रक्चर की क्षमता को दिखाता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीय सेना और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के बीच तालमेल के एक ऐतिहासिक प्रदर्शन के तहत, ‘विंग्स ऑफ वैलोर एंड यूनिटी एक्सपेडिशन’ में हिस्सा ले रहे भारतीय सेना की ‘टीम माउंटेन ईगल्स’ के 4 माइक्रोलाइट विमानों ने गुजरात में अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर (एनएच-754ए) पर, 946 किमी और 949 किमी के बीच सफलतापूर्वक लैंडिंग और टेक-ऑफ किया। उन्होंने आगे कहा कि यह बड़ी उपलब्धि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय एवं एनएचएआई की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य विश्व-स्तरीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे का विकास करना है। इससे कनेक्टिविटी मजबूत होती है, आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है और हमारे सशस्त्र बलों की रणनीतिक व परिचालन संबंधी जरूरतें पूरी होती हैं। यह राष्ट्रीय राजमार्गों की उस क्षमता को भी उजागर करता है, जिसके जरिए जहां भी संभव हो उचित सुरक्षा उपायों और समन्वय के साथ एरो-एडवेंचर, पर्यटन और अन्य उभरती गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा सकता है।

इसके साथ केंद्रीय मंत्री ने भारतीय सेना की ‘टीम माउंटेन ईगल्स’, एनएचएआई और सभी संबंधित प्राधिकरणों को उनके बेहतरीन समन्वय और इस ऐतिहासिक प्रयास को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए बधाई दी। पोस्ट के अंत में गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हम एक मजबूत, लचीले और भविष्य के लिए तैयार राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह नेटवर्क केवल कनेक्टिविटी से कहीं बढ़कर, देश की विकासात्मक, रणनीतिक और आपातकालीन जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगा। अमृतसर-जामनगर इकोनॉमिक कॉरिडोर (जिसे अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे या ईसी-3 भी कहा जाता है) भारत के 4 राज्यों-पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात–को जोड़ने वाला एक प्रमुख 6-लेन राजमार्ग गलियारा है।

## ‘हम कमजोर सीट नहीं लेंगे, ये बिल्कुल कंफर्म है’, सपा पर एक बार फिर बरसे कांग्रेस सांसद इमरान मसूद

नई दिल्ली (एजेंसी)



**इमरान मसूद ने कहा कि हम भीख नहीं मांग रहे हैं और हमें यह मंजूर नहीं है, हम कमजोर सीट नहीं लेंगे, यह बात तो बिल्कुल कंफर्म है, नई दिल्ली में कांग्रेस सांसद ने कहा कि हम कमजोर सीट नहीं लेंगे**

उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सपा-कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान के बीच समाजवादी पार्टी गुरुवार को मेनिफेस्टो जारी करेगी। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि यह उनका फैसला है और हम इसमें क्या टिप्पणी कर सकते हैं। इसी दौरान, सीट बंटवारे को लेकर सपा की ओर से 26 सीटों की पेशकेश की जाने पर इमरान मसूद ने कहा कि हम भीख नहीं मांग रहे हैं और हमें यह मंजूर नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम कमजोर सीट नहीं लेंगे, यह बात तो बिल्कुल कंफर्म है। नई दिल्ली में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि हम कमजोर सीट नहीं लेंगे। ये बिल्कुल कंफर्म है कि अगर आप हमें कमजोर सीट देंगे, तो हम नहीं लेंगे। इमरान ने सपा के शीर्ष नेतृत्व पर तंज कसते हुए कहा कि जो सीट आप हमें देना चाहते हैं, उन सीटों पर आप लड़ लीजिए। अगर आपको उन पर जीतने की इतनी क्षमता दिखाई दे रही है, तो आप उन सीटों पर लड़िए। हम क्यों लड़ेंगे? हमें वहीं लड़ना है, जहां हम रिजल्ट दे पाएंगे। हम अपने संगठन, अपने नेताओं और अपनी पार्टी को बेहतर समझते हैं। हमारी जीतने की क्षमता को तय करने का अधिकार हमारी पार्टी का है। यह अधिकार सपा के पास नहीं है। सपा की ओर से 26 सीटें देने की बात पर इमरान मसूद ने कहा कि ये उनका फैसला है, हमारा फैसला हमारी पार्टी लेगी। हमारा फैसला पार्टी को करना है कि क्या करना है, क्या नहीं करना है, हम उसमें क्या कर सकते हैं। क्या हमने आपसे 26 सीटों की भीख मांगी है क्या? आप अपनी 26 सीटें अपने पास रखिए।

इसी दौरान उन्होंने सपा के साथ गठबंधन को लेकर कहा कि अब राहुल गांधी फैसला करेंगे कि आगे क्या करना है। उन्होंने कहा कि संभावनाओं पर तो पूरी दुनिया चलती है, मैं बहुत सकारात्मक हूं, नकारात्मक आदमी नहीं हूं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लखनऊ दौरे पर मसूद ने कहा कि उनका कार्यक्रम है, उनके कार्यक्रम की तैयारी है और क्या हो सकता है। जो पार्टी का निर्देश होगा, जो आदेश होगा, वही होगा। इसी बीच, सीट शेयरिंग को लेकर सपा-कांग्रेस की अगली बैठक पर उन्होंने कहा कि अगली बैठक कहां होनी है, मुझे जानकारी नहीं है। सपा अपना मेनिफेस्टो जारी कर रही है, मैं इस पर कैसे टिप्पणी कर सकता हूं। गठबंधन का अर्थ यही होता है कि संयुक्त प्रेस वार्ता होती है और संयुक्त प्रेस वार्ता में हर बात संयुक्त होती है। गठबंधन का तो अर्थ यही होता है लेकिन यहां कुछ और हो रहा है, तो इसका मुझे पता नहीं है। मसूद ने एक बार फिर खुले शब्दों में कहा कि जब अखिलेश यादव मुख्यमंत्री थे, तब भी हमने 107 सीटों पर चुनाव लड़ा था। अब तो मुख्यमंत्री बनना है तो इससे कम का कोई अर्थ नहीं है।

## भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की तैयारी में अमेरिका, सरकार भी लगाए जवाबी टैरिफ : सीटीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)



अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। वहीं, यदि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता (ट्रेड डील) हो जाता है, तो यह शुल्क घटकर 17 प्रतिशत रह सकता है।

इस कदम को लेकर दिल्ली और देश में व्यापारियों और उद्यमियों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई है। सीटीआई अध्यक्ष बृजेश गोयल ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर चिंता जताई है।

बृजेश गोयल ने कहा कि अमेरिका के 25 प्रतिशत टैरिफ का भारत के टेक्सटाइल, लेदर, जेम्स एंड ज्वेलरी, ऑटो कंपोनेंट, केमिकल, फार्मा, सीफूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, पर्ल आदि सेक्टरों पर बहुत बुरा असर पड़ेगा और इससे देश में 5 लाख लोगों के रोजगार पर संकट पैदा हो सकता है। बृजेश गोयल ने बताया कि बढ़े हुए टैरिफ के चलते दूसरे देशों के मुकाबले भारतीय सामान अमेरिका में 25 प्रतिशत तक महंगा हो जाएगा, जिसके कारण वहां के खरीदार दूसरे देशों को तवज्जो देंगे।

सीटीआई चेयरमैन के मुताबिक, 48 अरब डॉलर से ज्यादा का भारतीय निर्यात इससे प्रभावित हो सकता है। सीटीआई महासचिव रमेश आहूजा एवं गुरमीत अरोड़ा और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा के मुताबिक, भारत अमेरिका को 53 प्रतिशत फार्मास्युटिकल, 53 प्रतिशत वस्त्र एवं परिधान, 37 प्रतिशत रत्न और आभूषण, 28 प्रतिशत ऑटो कंपोनेंट, 13 प्रतिशत केमिकल, 22 प्रतिशत सीफूड आदि का निर्यात करता है। व्यापारी समुदाय के बीच सबसे बड़ा संशय इस बात को लेकर है कि जिन कंपनियों को पहले ही ऑर्डर मिल चुके हैं या जिनका माल भारत से रवाना हो चुका है और अभी रास्ते में है, उन पर प्रस्तावित टैरिफ नियम किस प्रकार लागू होंगे। सीटीआई के मुताबिक, भारत ने 2024 में अमेरिका को 1.7 लाख करोड़ रुपए के इंजीनियरिंग गुड्स निर्यात किए थे, जिसमें स्टील प्रॉडक्ट्स, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स आदि शामिल होते हैं। अभी इन माल पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगता था।

ऐसे में अगर कोई सामान 100 डॉलर का है तो वह अमेरिका में 110 डॉलर का बिकता था। अब 25 प्रतिशत के टैरिफ के बाद यह माल वहां 125 डॉलर में बिकेगा, जिसकी वजह से इन वस्तुओं के निर्यात में 20-25 प्रतिशत की कमी आ सकती है। इसी तरह जेम्स एंड ज्वेलरी पर भी पहले 10 प्रतिशत टैरिफ था, जिसका भारत ने पिछले साल 90 हजार करोड़ रुपए का निर्यात किया था।

## एनसीआर में ठंड का असर तेज, दिन में धूप दे रही राहत, कुछ दिनों तक छाए रहेंगे कोहरे के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)



राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने एक बार फिर से करवट ली है। हवा में नमी की कमी, साफ आसमान और ठंडी उत्तरी हवाओं के कारण एनसीआर में दिन में तेज धूप खिल रही है, जबकि रात के समय ठंड में लगातार इजाफा हो रहा है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह और रात के समय ठंड बढ़ रही है, जबकि दिन में धूप निकलने से थोड़ी राहत मिल रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जारी स्थानीय मौसम रिपोर्ट और पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा और कोहरा भी अपना असर दिखाएगा। एनसीआर में अधिकतम पारा लगभग 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं, सुबह और शाम के समय न्यूनतम पारा 8 डिग्री से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। क26 नवंबर को दिन आसमान में हल्की धुंध रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

27 नवंबर को मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा और घना कोहरा छाने की संभावना है। हालांकि, सुबह के समय यह उथला कोहरा हो सकता है। इस दिन अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम 9 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। 28 नवंबर को दिन भी कोहरा रहने का पूर्वानुमान है, जो मध्यम स्तर का हो सकता है। तापमान में और गिरावट दर्ज होगी, जहां अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। 29 और 30 नवंबर को मौसम का मिजाज लगभग एक जैसा रहेगा। दोनों ही दिनों में मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास स्थिर रहेगा। 1 दिसंबर को अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क सकता है। मौसम में आ रहे इस बदलाव के बीच दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए राहत की खबर यह है कि अभी फिलहाल वायु गुणवत्ता सूचकांक में आंशिक सुधार देखने को मिल रहा है।

## आतंकवाद मानवता के खिलाफ सबसे जघन्य अपराध’, 26/11 मुंबई हमले की बरसी पर शाह और राजनाथ समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)



26/11 के मुंबई आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सभी निर्दोष नागरिकों और रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को पूरा देश नमन कर रहा है। इस अवसर पर कई दिग्गज नेताओं ने वीर जवानों, सुरक्षाकर्मियों और दिवंगत नागरिकों को श्रद्धांजलि दी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, वर्ष 2008 में आज ही के दिन मुंबई पर हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों को नमन करता हूं और इस हमले में जान गंवाने वाले सभी निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।’ उन्होंने पोस्ट किया, ‘आतंकवाद मानवता के विरुद्ध सबसे जघन्य अपराध है। मोदी सरकार की आतंक के खिलाफ ‘जीरो टॉलरेंस’ की नीति की सराहना दुनियाभर में हो रही है। आज भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाते हुए आतंक के हर रूप और हर साजिश के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा, आज, मैं 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उन वीर सपूतों को याद करता हूं जिन्होंने हमारे राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। मैं हमारी पुलिस और सुरक्षा बलों के साहस, वीरता और अटूट समर्पण को नमन करता हूं, जो आतंकवाद के सामने डटकर खड़े रहे। उनका साहस कर्तव्य, बलिदान और राष्ट्र सेवा की सर्वोच्च परंपराओं को दर्शाता है। उनका सर्वोच्च बलिदान हमेशा प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा। भारत आतंकवाद को उसके सभी रूपों में खत्म करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ‘एक्स’ पोस्ट में कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद करें और उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों को सलाम करें जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि हम आतंकवाद के हर रूप से लड़ने और इसमें शामिल लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आतंकवाद के प्रति हमारी नीति ‘जीरो टॉलरेंस’ (सहन न करने) की है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लिखा, वीर कभी नहीं मरते, वे राष्ट्र की चेतना में सदैव जीवित रहते हैं। 26/11 मुंबई आतंकी हमले में मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों, पुलिसकर्मियों एवं निर्दोष नागरिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पोस्ट किया, ‘मुंबई में 26/11 के कायरतापूर्ण आतंकी हमले में मातृभूमि की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों, पुलिसकर्मियों और निर्दोष नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आपके साहस, बलिदान और राष्ट्र के प्रति समर्पण के लिए हम सदैव ऋणी रहेंगे।

## सम्पादकीय

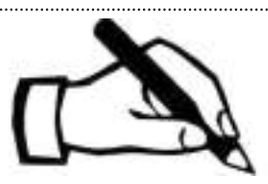

# गोवा के विकास में नई संभावनाओं का उदय

गोवा भारत का एक ऐसा राज्य है, जिसकी पहचान केवल सुंदर समुद्र तटों, पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, आर्थिक क्षमता और विकास की व्यापक संभावनाएं भी इसे विशिष्ट बनाती हैं। क्षेत्रफल की दृष्टि से छोटा होने के बावजूद गोवा ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित की है। आज राज्य विकास के एक ऐसे महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहां आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित करना सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

गोवा की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटक राज्य के होटल उद्योग, परिवहन, हस्तशिल्प, रेस्तरां और स्थानीय व्यवसायों को रोजगार तथा आय प्रदान करते हैं। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, बेहतर सड़कें, आधुनिक हवाई संपर्क और पर्यटक स्थलों का विकास आवश्यक है। हालांकि, पर्यटन विकास केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय संस्कृति और नागरिकों के जीवन स्तर को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

गोवा के विकास में आधारभूत संरचना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सड़कों का विस्तार, पुलों का निर्माण, सार्वजनिक परिवहन की बेहतर व्यवस्था, जलापूर्ति, बिजली और डिजिटल सुविधाओं का विकास राज्य की आर्थिक प्रगति को गति दे सकता है। आधुनिक बुनियादी ढांचा न केवल पर्यटन को मजबूत करेगा, बल्कि उद्योगों, व्यापार और निवेश के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार करेगा। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और इंटरनेट जैसी सुविधाओं का विस्तार विकास को अधिक व्यापक और समावेशी बना सकता है।

राज्य के सामने पर्यावरण संरक्षण की चुनौती भी गंभीर है। गोवा की प्राकृतिक सुंदरता ही उसकी सबसे बड़ी संपत्ति है। समुद्र तट, नदियां, जंगल, पहाड़ियां और जैव विविधता राज्य की पहचान का अभिन्न हिस्सा हैं। अनियंत्रित निर्माण, बढ़ता शहरीकरण, कचरे की समस्या और प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव भविष्य के लिए चिंता का विषय हैं। विकास की योजनाएं बनाते समय पर्यावरणीय संतुलन को सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है। यदि प्राकृतिक संपदा सुरक्षित नहीं रहेगी, तो पर्यटन और स्थानीय जीवन दोनों प्रभावित होंगे। गोवा में औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसरों का विस्तार भी समय की मांग है। राज्य को पर्यटन के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य प्रसंस्करण, छोटे उद्योगों और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलेगा और उन्हें बेहतर अवसरों की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा।

# जब रास्ता ही टूटा हो तो विकास कैसे जुड़ेगा?

**ज्योति**

किसी गांव के विकास की पहचान केवल वहां बने घरों या सरकारी योजनाओं की संख्या से नहीं होती है बल्कि विकास तब जमीन पर दिखाई देता है, जब गांव का हर उम्र का इंसान बिना किसी बाधा के स्कूल, अस्पताल, बाजार और रोजगार के अवसरों तक पहुंच सके। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी इलाकों में यह पहुंच सबसे पहले सड़क से जुड़ती है। एक सुरक्षित और हर मौसम में चलने योग्य सड़क गांव के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों तक पहुंच की बुनियादी जरूरत है। इसके बावजूद उत्तराखंड के कई दूरदराज के गांवों में आज भी पक्की सड़क एक जरूरत से अधिक इंतजार का विषय बनी हुई है।बागेश्वर जिले के गरुड़ ब्लॉक स्थित पिंगलो गांव इसकी एक मिसाल है। जिला मुख्यालय से करीब 67 किमी दूर इस गांव की आबादी लगभग 950 है और यहां करीब 250 मकान हैं। गांव में रास्ते की समस्या वर्षों से बनी हुई है क्योंकि इस गाँव तक पहुँचने का माध्यम कच्ची सड़क यानि पगडंडी है। जो बरसात के दिनों में कीचड़ और पानी के कारण फिसलन भरा हो जाता है और जगह-जगह गड्ढे पड़ जाते हैं। इससे ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी होती है। बच्चों के स्कूल जाने, बीमार लोगों को अस्पताल पहुंचाने और रोजमर्रा का सामान लाने जैसे काम भी मुश्किल हो जाते हैं।

इस समस्या का असर गांव की महिलाओं और किशोरियों पर भी पड़ता है। खराब रास्तों के कारण उन्हें कई बार कच्चे और जोखिम भरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। बरसात में स्थिति और कठिन हो जाती है। किसी व्यक्ति के बीमार पड़ने पर उसे अस्पताल तक ले जाना चुनौती बन जाता है। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है, क्योंकि खराब रास्ते और मौसम के कारण उनका स्कूल पहुंचना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में सड़क की समस्या सिर्फ आवागमन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि यह शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से भी जुड़ जाती है।

देश में ग्रामीण सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना महत्वपूर्ण योजना है। ग्रामीण विकास मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 31 मार्च 2024 तक देश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के विभिन्न चरणों के तहत कुल 7,60,571 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा किया जा चुका था और 1,56,617 ऐसी बस्तियों को हर मौसम में सड़क संपर्क दिया जा चुका था जिनकी आबादी 250, 500 और 1000 प्लस की श्रेणी में थी। इसके अलावा 100-249 आबादी वाली 6,034 बस्तियों को भी संपर्क दिया गया था। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्य के लिए सड़क संपर्क की चुनौती लगातार चुनौती बना हुआ है। हालांकि उत्तराखंड सरकार ने ग्रामीण सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए कई योजनाएं भी चलाई हैं।



राज्य की मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत ऐसे दूरदराज के गांवों में पुलिया बनाने का प्रावधान है जहां सामान्य तरीके से सड़क पहुंचाना संभव नहीं है। यह योजना विशेष रूप से 0 से 249 आबादी वाले दूरस्थ गांवों के लिए बनाई गई है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को परिवहन के साथ-साथ जरूरी सेवाओं और बाजार तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराना है। राज्य में 'मेरा गांव मेरी सड़क' जैसी योजना भी ग्रामीण और दूरदराज की बस्तियों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

राज्य सरकार के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क संपर्क का उद्देश्य केवल लोगों की आवाजाही आसान करना नहीं, बल्कि गांव के उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना और ग्रामीणों की आजीविका के अवसर बढ़ाना भी है। उत्तराखंड के बजट दस्तावेज के अनुसार, 2022-23 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 579 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण पूरा किया गया और 250 से अधिक आबादी वाली 24 बस्तियों को सड़क संपर्क दिया गया। साथ ही 2,288 किलोमीटर सड़कों को मजबूत करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि गांव के लोगों को उनका लाभ कितनी आसानी से मिल रहा है?

पिंगलो जैसे गांवों की स्थिति यह बताती है कि सड़क बनाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उसका टिकाऊ होना भी है। पहाड़ी क्षेत्रों में बरसात, भूस्खलन और अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण सड़कें जल्दी खराब हो सकती हैं। इसलिए नई सड़क बनाने के साथ उसके नियमित रखरखाव, जल निकासी और निर्माण की गुणवत्ता पर भी ध्यान देना होगा। उत्तराखंड ग्रामीण सड़क विकास एजेंसी की वेबसाइट पर भी ग्रामीण सड़कों के रखरखाव और गुणवत्ता से संबंधित अलग-अलग दिशा-निर्देश उपलब्ध हैं।

उत्तराखंड जैसे कठिन भौगोलिक परिस्थिति वाले गांवों के लोगों की जरूरत बहुत स्पष्ट है। उन्हें ऐसी सड़क चाहिए जिस पर वे बारिश के दिनों में भी सुरक्षित चल सकें। बच्चों को स्कूल जाने में डर न लगे, मरीज को अस्पताल ले जाने में घंटों की चिंता न हो और ग्रामीण अपने उत्पाद बाजार तक पहुंचा सकें। इसके लिए योजनाओं की संख्या बढ़ाने से ज्यादा जरूरी है कि जो सड़कें स्वीकृत और निर्मित हों, उनकी गुणवत्ता और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए। पिंगलो की समस्या किसी एक गांव की समस्या नहीं है। पहाड़ के कई गांवों के लिए सड़क आज भी विकास तक पहुंचने की पहली लेकिन अधूरी सीढ़ी बनी हुई है। इसलिए दूरदराज की बस्तियों में सड़क संपर्क को केवल निर्माण के आंकड़ों से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आए बदलाव से मापा जाना चाहिए। जब किसी गांव तक हर मौसम में सुरक्षित सड़क पहुंचती है, तभी स्कूल, अस्पताल, बाजार और रोजगार के अवसर भी वास्तव में उसके करीब आते हैं। पहाड़ों के गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पक्की और टिकाऊ सड़क केवल सुविधा मात्र नहीं, बल्कि उनकी बुनियादी जरूरत है।

# उत्तरप्रदेश की सत्ता का महासंग्राम 2027

**कांतिलाल मांडोत**

उत्तरप्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीख भले ही अभी दूर हो, लेकिन राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। सत्ता की इस लड़ाई में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने का सपना देख रही है तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सत्ता में वापसी के लिए नए समीकरण तैयार कर रहे हैं। कांग्रेस भी समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन की संभावनाएं तलाश रही है। दूसरी ओर मायावती की बहुजन समाज पार्टी अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने की कोशिश में है। ऐसे में प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर वही सवाल उठ रहा है कि 2027 में जनता किसे अपना आशीर्वाद देगी? उत्तरप्रदेश की राजनीति का असर केवल राज्य तक सीमित नहीं रहता। विधानसभा की 403 सीटों वाला यह प्रदेश केंद्र की राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही वजह है कि यहां होने वाला चुनाव सभी राजनीतिक दलों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाता है। भाजपा के सामने अपनी सरकार के कामकाज को जनता के बीच पहुंचाने और लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने की चुनौती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नेतृत्व भी इस चुनाव में बड़ी कसौटी पर रहेगा।

भाजपा को उम्मीद है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था, सड़कों का विस्तार, एक्सप्रेसवे, औद्योगिक निवेश और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में हुए कार्य उसके पक्ष में माहौल बनाएंगे। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम का विकास और धार्मिक स्थलों पर बढ़ती सुविधाएं भी चुनावी चर्चा का हिस्सा बन सकती हैं। सरकार गरीब कल्याण की योजनाओं और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार को अपनी उपलब्धियों के रूप में जनता के सामने रखेगी। लेकिन चुनाव केवल उपलब्धियां गिनाने से नहीं जीते जाते। जनता यह भी देखती है कि सरकार ने उसके जीवन में कितना बदलाव किया है। युवाओं को रोजगार मिला या नहीं, किसानों की आमदनी में कितनी बढ़ोतरी हुई, महंगाई से परिवारों को कितनी राहत मिली और गांवों में शिक्षा तथा स्वास्थ्य की सुविधाएं कितनी बेहतर हुईं। भाजपा को इन सवालों का जवाब जनता के सामने देना होगा। बड़ी परियोजनाओं के साथ आम आदमी की समस्याओं का समाधान भी चुनावी परिणाम तय करने में अहम भूमिका निभाएगा।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव भाजपा के सामने मजबूत चुनौती पेश करने की तैयारी में हैं। उनकी राजनीति का प्रमुख आधार पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को एकजुट करना है। अखिलेश यादव को उम्मीद है कि सामाजिक समीकरणों के सहारे वे भाजपा के मतदाता आधार में सेंध लगा सकते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की परेशानी और सरकार के प्रति नाराजगी को भी वे चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश करेंगे। हालांकि अखिलेश यादव के सामने भी कई सवाल हैं। क्या पीडीए का राजनीतिक नारा वास्तव में सभी संबंधित वर्गों को एक मंच पर ला पाएगा? क्या वे केवल जातीय समीकरणों के भरोसे सत्ता तक पहुंच सकते हैं? मतदाता अब राजनीतिक दलों से केवल नारों की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि सरकार चलाने की क्षमता और भविष्य की योजनाओं का हिसाब भी मांगता है। समाजवादी पार्टी को यह विश्वास दिलाना होगा कि सत्ता में आने पर वह विकास और कानून व्यवस्था के मामले में बेहतर विकल्प साबित होगी। भाजपा पुराने समाजवादी शासनकाल की कानून व्यवस्था को लेकर लगातार सवाल उठाती रही है। ऐसे में अखिलेश यादव के लिए पिछली सरकार की छवि से आगे निकलना आसान नहीं होगा। उन्हें यह साबित करना होगा कि उनकी राजनीति केवल विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के विकास के लिए उनके पास भी स्पष्ट दृष्टिकोण और मजबूत कार्ययोजना है।

कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन की संभावनाओं ने चुनावी चर्चा को और रोचक बना दिया है। वर्ष 2017 में दोनों दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन जनता ने इस गठबंधन को स्वीकार नहीं किया। उस चुनाव में कांग्रेस को सात और समाजवादी पार्टी को 47 सीटों पर संतोष करना पड़ा था। अब 2027 के चुनाव से पहले दोनों दल एक बार फिर साथ आने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों के बीच मतभेद सामने आ रहे हैं।

24 नवंबर 2026 तक सामने आ रही राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार कांग्रेस ने अपनी मांग घटाकर करीब 131 सीटों तक कर दी है, जबकि समाजवादी पार्टी केवल 26 सीटें देने का प्रस्ताव रख रही है। दोनों दलों के बीच बातचीत जारी है, लेकिन सीटों का यह अंतर गठबंधन की राह में बड़ी बाधा बन सकता है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में दोनों दलों को मिली सफलता ने गठबंधन की उम्मीदें जरूर बढ़ाई हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव का गणित लोकसभा चुनाव से बिल्कुल अलग होता है।

कांग्रेस के लिए उत्तरप्रदेश में अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत करना भी जरूरी है। वर्षों से कमजोर पड़े संगठन को फिर खड़ा किए बिना पार्टी केवल गठबंधन के सहारे अपनी स्थिति मजबूत नहीं कर सकती। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की सक्रियता के बावजूद कांग्रेस को गांवों और विधानसभा क्षेत्रों तक अपना संगठन पहुंचाना होगा। यदि सीटों के बंटवारे पर सहमति नहीं बनी तो चुनाव से पहले ही गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। बहुजन समाज पार्टी की राजनीति को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता। मायावती भले ही पिछले विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट जीत पाई हों, लेकिन प्रदेश के कई क्षेत्रों में उनका परंपरागत मतदाता आधार आज भी चुनावी समीकरण प्रभावित करने की क्षमता रखता है। बसपा यदि अपने पुराने समर्थकों को फिर से सक्रिय करने में सफल होती है तो भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच सीधा मुकाबला त्रिकोणीय हो सकता है। मायावती के सामने सबसे बड़ी चुनौती युवाओं और नए मतदाताओं के बीच अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता स्थापित करने की है।

इस बार चुनाव में बड़े राजनीतिक नारों के साथ स्थानीय समस्याएं भी महत्वपूर्ण रहेंगी। किसान अपनी फसल के उचित मूल्य, सिंचाई और बिजली की उपलब्धता का हिसाब मांगेंगे। युवा रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता चाहते हैं। महिलाएं सुरक्षा और सरकारी योजनाओं के वास्तविक लाभ को परखेंगी। व्यापारी वर्ग कारोबार की स्थिति और छोटे उद्योगों की समस्याओं पर सरकार का मूल्यांकन करेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला कर सकती है। उत्तरप्रदेश के सामने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाने का लक्ष्य है। इतनी बड़ी आबादी वाले प्रदेश का विकास किए बिना देश को विकसित राष्ट्र बनाने की कल्पना अधूरी रहेगी।

## चुनावी महासंग्राम की राह पर उत्तर प्रदेश

**निर्मल रानी**

उत्तर प्रदेश विधानसभा की 403 सदस्यों के लिये होने वाले आम चुनाव, फ़रवरी-मार्च 2027 में होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश के साथ ही देश के 4 अन्य राज्यों पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में भी संभवतः फ़रवरी-मार्च 2027 की शुरुआत में ही विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इन सभी पाँचों राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च से मई 2027 के बीच समाप्त हो रहा है। इन पांच राज्यों के अलावा, वर्ष 2027 के अंत यानी नवंबर-दिसंबर में दो अन्य राज्यों गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी विधानसभा चुनाव निर्धारित हैं। इन विधान सभा चुनावों को 2029 के प्रस्तावित लोकसभा चुनावों के सेमी फ़ाइनल के रूप में भी देखा जा रहा है। वैसे तो इन सभी पांचों राज्यों में चुनाव बेहद दिलचस्प होने की संभावना है परन्तु सबसे चुनौतीपूर्ण चुनाव उत्तर प्रदेश में देखने को मिल सकता है। साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के आधार अपनी चुनावी बिसात बिछाने वाला देश का यह सबसे बड़ा प्रदेश इस बार न केवल साम्प्रदायिक बल्कि जातीय समीकरणों में भी बुरी तरह उलझ चुका है। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एस आई आर के बाद, निर्वाचन आयोग ने 2027 विधानसभा चुनाव से पहले ड्राफ़्ट मतदाता सूची जारी कर दी है और नाम जोड़ने व सुधारने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। 17 नवंबर 2026 को जारी ड्राफ़्ट मतदाता सूची में उत्तर प्रदेश में कुल 13.58 करोड़ मतदाता दर्ज किए गए हैं। 10 अप्रैल 2026 को एसआईआर के बाद प्रकाशित अंतिम सूची की तुलना में इस मसौदा सूची में 18,84,113 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई है। इस वृद्धि में महिला मतदाताओं की संख्या में 10,96,828 और पुरुष मतदाताओं की संख्या में 7,87,449 का इज़ाफ़ा हुआ है।

इससे पहले एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान 15.44 करोड़ मतदाताओं की जांच के बाद 12.55 करोड़ नाम बरक़रार रखे गए थे और लगभग 2.89 करोड़ नाम सूची से हटाए गए थे। इसी बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि पंचायत और विधानसभा मतदाता सूची के भ्रम के कारण 1 करोड़ 27 लाख हिंदू मतदाताओं के नाम सूची में नहीं जुड़ पाए हैं। इसके मद्देनज़र भाजपा ने हर बूथ पर मतदाता जोड़ने के लिए एक महीने का विशेष अभियान शुरू किया है। इसी तरह समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पार्टी ने भी मतदाता सूची में संभावित गड़बड़ियों और नाम कटने के मुद्दों पर सवाल उठाए हैं और अपने कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची की निगरानी के लिए सक्रिय किया है। उधर मुस्लिम समाज भी न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर जानबूझ कर पूर्व नियोजित तरीक़े से एक बड़ी साज़िश के तहत मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायत कर रहा है। उत्तर प्रदेश के इस चुनाव में जहां भाजपा बनाम इण्डिया गठबंधन (कांग्रेस+समाजवादी पार्टी ) चुनावी मुक़ाबला होने की संभावना थी वहीँ मायावती की बहुजन समाज पार्टी भी शुरू से ही अपनी डफ़ली अलग ही बजा रही है। कुछ राजनैतिक विश्लेषक इसे मायावती द्वारा भाजपा को लाभ पहुँचाने की कोशिश की नज़र से भी देख रहे हैं।

परन्तु पिछले दिनों असदुद्दीन ओवैसी की ए आई एम आई एम ने उत्तर प्रदेश की नगीना सीट से लोकसभा सांसद और 'भीम आर्मी' के प्रमुख चंद्रेशखर की आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) से चुनाव पूर्व समझौता कर उत्तर प्रदेश के राजनैतिक हल्क़ों में खलबली पैदा कर दी है। बसपा जैसे दलों की सक्रियता से मुस्लिम वोटों के बंटवारे की संभावना पर जहां पहले भी चर्चा होती रही है वहीँ चुनाव नज़दीक आने पर बने ओवैसी चंद्रशेखर के यह नये समीकरण व इसके द्वारा उठाये जाने वाले धर्मस्थल विध्वंस, लक्षित एस आई आर, अवैध घुसपैठ, धर्मांतरण, धार्मिक जुलूसों जैसे अनेक ऐतिहासिक विवादों पर तीखे बयान सामाजिक और साम्प्रदायिक संवेदनशीलता को और भी बढ़ा रहे हैं। गोया उत्तर प्रदेश के लगभग 19-20% मुस्लिम मतदाताओं के रुझान को लेकर एक ओर जहां सपा-कांग्रेस गठबंधन इस वोट बैंक को एकजुट रखने का प्रयास कर रहे थे वहीं असदुद्दीन ओवैसी के ए आई एम आई एम व चंद्रशेखर की आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) और बसपा जैसे दलों की सक्रियता से मुस्लिम वोटों के बंटवारे की संभावना बढ़ती दिखाई दे रही है। कुछ राजनैतिक विश्लेषक तो पहले ही असदुद्दीन ओवैसी को भाजपा के हितसाधक नेता के रूप में देखते आ रहे थे परन्तु अब इस सूची में चंद्रशेखर आज़ाद का नाम भी शामिल हो गया है।

# असामाजिक होते मानवीय समाज में बढ़ता सांस्कृतिक संकट

**डॉ. मोनिका भाम्भू कलाना**

पिछले दिनों पेरिस में चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच जॉगिंग करती हुई एक लड़की का वीडियो वायरल हुआ। बाहरी परिवेश से बिल्कुल असम्पृक्त होकर वह अपना काम कर रही थी। कई लोगों ने इसे कमिटमेंट का उदाहरण बनाकर लोगों को इससे प्रेरणा लेने की नसीहत दी। यह आज के समाज और सामाजिक की वास्तविक स्थिति का उदाहरण भर है। संवेदनशीलता की कमी अब महज संवाद के संकट तक सीमित नहीं रही है।

इसने मनुष्य के मनुष्यत्व को संकट में डाल दिया है। यह ठीक है कि हर कोई अपना काम करने हेतु स्वतन्त्र है लेकिन सवाल यह है कि क्या मनुष्य केवल रोजाना का लक्ष्य पूरा करने हेतु है? जब हमारे ही बगल में लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हों, उनकी माँग नहीं मानी जा रही हो, वे प्रदर्शन कर रहे हो, क्या ऐसे में मनुष्य का अपने लिए दौड़ना पर्याप्त है? जब पूरा शहर गंभीर संकट और सामाजिक असंतोष से जूझ रहा हो, तब इस तरह सामान्य होकर अपना वर्कआउट करना एक असामान्य स्थिति है। यह दर्शाता है कि आज मनुष्य अपने परिवेश की वास्तविकताओं से किस कदर कटकर जी रहा है। समाज के एक बड़े हिस्से के संघर्ष से अनभिज्ञ और उनके संकट से बेफिक्र अपने दैनिक रूटीन को पूरा करना दिखाता है कि सामूहिक संकट भी अब लोगों को विचलित नहीं करता। मनुष्यत्व दूसरे के दुख में सहभागी होने में है, अगर हम किसी विवशता की वजह से सहभागी न हो सकें तब भी दुख के प्रति संवेदना तो जरूरी है। मनुष्य को अपने समुदाय, जगह और परिस्थितियों से काटकर कैसे मनुष्यत्व का आदर्श हम समाज के समक्ष रख रहे हैं, जहाँ किसी को किसी से कोई मतलब नहीं है, जहाँ दूसरे मनुष्य से कोई भावनात्मक संबंध नहीं बचा है। जिस दुनिया में बने रहने, सुन्दर दीखने और न जाने क्या-क्या हासिल करने के सपने पालकर हम रोजाना के लक्ष्य पूरे करने में लगे हुए हैं, अगर वह दुनिया नहीं बचेगी या वैसी नहीं बचेगी तब हमारे लक्ष्य वैसे ही बेकार हो जाएंगे। हम अपने परिवेश को बचाने के लिए संघर्ष न कर सकते हो, दूसरे के संघर्ष को सम्मान देने की मानवीय भावना तो हममें बची होनी चाहिए।

एक ऐसे समय में जब तकनीक दिनोंदिन मनुष्य के मनुष्यत्व को खत्म करने में लगी हो, यांत्रिक व्यवस्था मनुष्य को यंत्र में तब्दील करती जा रही हो, वहाँ संवेदना की बजाय दिनचर्या को अहमियत देना आखिर क्या संकेतित करता है ? इंसान अपने अनुभव कर सकने की सामर्थ्य के कारण विशिष्ट होता है। मानवीय चेतना और विवेक ही मनुष्य को जरूरत के अनुसार निर्णय लेने में सक्षम बनाते हैं। जब मनुष्य अपने परिवेश से पृथक यंत्रवत व्यवहार करने लगे तो इसमें स्वयं मनुष्यता की पराजय है। जब समाज में रह रहे अलग-अलग वर्ग एक-दूसरे के बारे में सोचना छोड़ देते हैं तभी लोकतंत्र में असली संकट पैदा होता है। इस संकट के बीज मनुष्य के, मनुष्य से अलगाव में निहित है। इसी अलगाव को भुनाकर, सत्ता नागरिकों को परस्पर विरोधी बनाकर खड़ा करने में समर्थ होती है। मनुष्य और मनुष्य के मध्य दूरी बढ़ने से ऐसी स्थितियाँ आम होती जा रही हैं। मनुष्य अब दूसरे मनुष्य के लिए जीता जगता इंसान नहीं रहकर वस्तु मात्र बन गया है। यही वह सोच है जो सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को एक अव्यवस्था की तरह दिखाती है। यह दृष्टि सहानुभूति से उनकी मांगों पर गौर करने की बजाय उन्हें महसूस कराती हैं कि उनकी आवाज का कोई मूल्य नहीं है।

मनुष्य भौतिक रूप से जिस समाज में उपस्थित है उससे कोई भावनात्मक जुड़ाव न होना इस संकट का बुनियादी कारण है। आज का मनुष्य इतना स्वकेंद्रित है कि वह इतिहास और समाज से कटकर केवल अपने बारे में सोचता है और भ्रम पालता है कि वह सचमुच ही कोई महत्त्वपूर्ण कार्य कर रहा है। आज संसाधनों और भौतिक सुविधाओं में रहकर मनुष्य भीतर से जितना खाली और बाहर से जैसा अकेला होता गया है उसमें संवाद का बने रहना बेहद जरूरी हो गया है। अब लोग सामाजिक संबंध या सामूहिक अस्तित्व की अवधारणा से अलग केवल शासन व्यवस्था के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। आज मनुष्य से मनुष्य के जुड़ने के साधन जिस अनुपात में बढ़े हैं, मनुष्य और मनुष्य के मध्य दूरी उतनी ही अधिक होती जा रही है। क्या मनुष्य इतना असहाय हो गया है कि उसने इस व्यवस्था को स्थायी मान लिया है? क्या प्रतिरोध करने की मानवीय शक्ति तकनीक सोखती जा रही है? आधुनिक सभ्यता ने व्यक्तिवाद को ही एकमात्र मूल्य बना दिया है। हमें किसी से क्या की भावना फैलकर सबको गिरफ्त में लेती जा रही है। यही व्यक्तिवादी चेतना मनुष्य और मनुष्य के मध्य दूरी बढ़ाती है। यह चेतना अपने को इतना बड़ा और महत्त्वपूर्ण मानकर चलती है कि इसका दूसरे से किसी धरातल पर कोई मेल नहीं बैठता। यह व्यक्तिवादी अराजक चेतना ही निरंकुशता और सर्वाधिकारवाद की ओर लेकर जाती है। जहाँ मनुष्य अपनी आकांक्षाओं और इच्छाओं को पूरा करने में दूसरे का होना व्याघात समझता है। इस तरह वह हर दूसरे व्यक्ति के विरुद्ध हो जाता है।

पुरातन सभ्यताओं का विकास साहचर्य और संवाद से ही हुआ है। संवाद के रास्ते ही मनुष्य दूसरे मनुष्य से जुड़ता है। लेकिन यह जुड़ना स्वयं उसे भी नया करता है। सार्थक संवाद की पहली शर्त पहचान है। यह पहचान प्रेम और विश्वास से उत्पन्न होती है। आधुनिक संस्कृति के दबावों तले मनुष्य स्वतन्त्रता के नाम पर अपनी सत्ता को निरपेक्ष रूप से पाना चाहता है। मानवीय जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी मनुष्य और मनुष्य के मध्य विश्वास का खत्म होना है जिसने मनुष्य के लिए हर दूसरे मनुष्य को भय और संशय के घेरे में ला दिया है। सुरक्षा और निजता के नाम पर हम असली समाज से कटकर रहने को बाध्य हैं। उसके बाद संवाद के लिए जो दूसरे रास्ते तलाशें जाते हैं वे सब भटकाव की तरफ लेकर जाते हैं।

जब मनुष्य संवाद नहीं कर पाता तो वह अपने परिवेश और समाज से कटकर नितांत अकेला होता जाता है। इस अकेलेपन में उसकी अपनी पहचान और आत्म-बोध खो जाता है। मनुष्य का यह आत्म-उन्मूलन आधुनिक संस्कृति का अभिशाप है। यह आत्म-उन्मूलन संवाद के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा है। संवाद आपसी समझ, विश्वास, संबंधों और सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने का प्राथमिक आधार है। स्वस्थ लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी हेतु गहन संवाद की जरूरत होती है। हमें अपनी सभ्यता, सिद्धांतों और व्यवस्थाओं के लिए इसे बुनियाद बनाना होगा। मनुष्य की मनुष्य से पहचान को धुँधलाने वाली, उसके आत्म-उन्मूलन को गहरा करने वाली, मनुष्य की पहचान और संवाद के रास्ते को अवरुद्ध करने वाली हर व्यवस्था का विरोध करना होगा। तभी मनुष्य और समाज सत्ता का प्रतिरोध करने में सफल हो सकेंगे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा ओ.एस. पब्लिकेशन, बी-2542, नरेला, इंडस्ट्रियल एरिया, नार्थ वेस्ट दिल्ली-110040 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

# संविधान का गला घोंटने वाले आज लाल किताब लेकर जनता को गुमराह कर रहे : सीएम योगी आदित्यनाथ

**लखनऊ (एजेंसी)**



**योगी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत प्रदेश के 3,955 मूर्ति स्थलों के सौंदर्यीकरण कार्यों का किया शुभारंभ, उन्होंने उपमुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों के साथ संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ भी किया। योगी ने कहा कि प्रदेश में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और सामाजिक न्याय के महापुरुषों से जुड़े 4,030 स्थल चिह्नित किए गए हैं**

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन लोगों ने अवसर मिलने पर संविधान का गला घोंटने का प्रयास किया, वे आज लाल किताब लेकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। संविधान की संप्रभुता किसी व्यक्ति, परिवार या जाति-विशेष में नहीं, बल्कि देश के आम नागरिक में निहित है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को लोक भवन ऑडिटोरियम में संविधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना के तहत प्रदेश के 3,955 मूर्ति स्थलों के सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री और अन्य अतिथियों के साथ संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठ भी किया। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और सामाजिक न्याय के महापुरुषों से जुड़े 4,030 स्थल चिह्नित किए गए हैं। इनमें से 3,955 स्थलों पर सौंदर्यीकरण कार्य शुरू किए जा रहे हैं। यहां जरूरत के अनुसार छतरी, बाउंड्री वॉल, सीसीटीवी कैमरे और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। परिसर में फुलवारी भी बनाई जाएगी। यह अभियान बाबा साहेब, संत रविदास, संत कबीरदास और महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों के योगदान तथा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की भावनाओं के सम्मान का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान 145 करोड़ नागरिकों का गौरव और मार्गदर्शक है। दुनिया के कई देशों में जाति, रंग और लिंग के आधार पर नागरिकों को लंबे समय तक मताधिकार से वंचित रखा गया, जबकि भारत ने संविधान लागू होने के पहले दिन से हर वयस्क नागरिक को बिना भेदभाव मतदान का अधिकार दिया। संविधान की प्रस्तावना के शुरुआती शब्द 'हम भारत के लोग' स्पष्ट करते हैं कि देश की संप्रभुता आम नागरिक में निहित है। विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच संतुलन ही लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने बाबा साहेब को भारत रत्न नहीं दिया और उन्हें संसद तक पहुंचने से रोकने के लिए षड्यंत्र किए।

सपा सरकार ने कन्नौज मेडिकल कॉलेज से बाबा साहेब का नाम हटा दिया था, जिसे वर्तमान सरकार ने फिर बहाल किया। उई मेडिकल कॉलेज का नाम लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के नाम पर रखा गया। उन्होंने महाराज सुहेलदेव के सम्मान में बहराइच में स्मारक और उनके नाम पर मेडिकल कॉलेज तथा राजा महेंद्र प्रताप सिंह के नाम पर अलीगढ़ में राज्य विश्वविद्यालय स्थापित किए जाने का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर माफिया और अपराधियों को संरक्षण देने, पेपर लीक, नकल, नौकरी में वसूली और गरीबों को योजनाओं से वंचित रखने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कानून का राज और विधि का शासन ही विकास की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में बाबा साहेब की 125वीं जयंती पर 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। संविधान की मूल प्रति में भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध और सम्राट अशोक सहित भारत की विरासत के चित्र भी शामिल हैं। संविधान सभा के 55 सदस्य उत्तर प्रदेश से थे, जबकि 15 महिला सदस्यों में से छह प्रदेश से थीं। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस और सपा को 26 नवंबर 1949 की याद नहीं आती थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस मनाने की शुरुआत की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस का डीएनए संविधान विरोधी है। सपा शासनकाल में आजम खान ने बाबा साहेब को भूमाफिया कहा था और उस समय अखिलेश यादव मुस्कुराते रहे। सपा और कांग्रेस ने गरीबों, पिछड़ों और वंचितों का दमन किया है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि कांग्रेस समेत कई दल बाबा साहेब का नाम लेकर राजनीति करते हैं, लेकिन उनके सिद्धांतों पर नहीं चलते। प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहेब से जुड़े पंचतीर्थों का विकास कराया।

## भाई से भाई के मिलन का संदेश लेकर अयोध्या से रवाना हुई भरत यात्रा, सात दिन में पहुंचेगी चित्रकूट

**अयोध्या (एजेंसी)**



अयोध्या के मणिराम दास छावनी से गुरुवार को भरत यात्रा रवाना हुई। यह यात्रा अयोध्या से चलकर चित्रकूट तक जाएगी और सात दिनों में चित्रकूट पहुंचेगी। इस यात्रा का उद्देश्य भगवान श्री राम और प्रेम मूर्ति भरत जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है। यात्रा में बड़ी संख्या में साधु-संत, भक्त और श्रद्धालु शामिल हुए। राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य कमल नयन दास ने बताया कि पचास वर्ष पूर्व श्री गुरुदेव भगवान और प्रभुदत्त ब्रह्मचारी जी महाराज ने समाज के विखंडन और विकृतकारी शक्तियों को देखते हुए इस यात्रा की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा अयोध्या से चलकर चित्रकूट तक जाएगी। हमें भगवान श्रीराम और प्रेममूर्ति भरत जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना है।

कमल नयन दास ने कहा कि समाज में भाई के साथ कैसा प्रेम होना चाहिए, पिता के साथ कैसा प्रेम होना चाहिए, माता के साथ कैसा प्रेम होना चाहिए, यह शिक्षा हमें भगवान श्रीराम के आदर्श से मिलती है। प्रेममूर्ति भरत जी महाराज के चरित्र को, उनके आदर्शों को हमें जन-जन तक पहुंचाना है। यही लक्ष्य भरत यात्रा का है। गुप्तार घाट के महंत विमल कृष्ण दास ने कहा कि यह भाई से भाई के मिलन की यात्रा है। इस बार गुरुदेव भगवान के सान्निध्य में यात्रा निकाली जा रही है। सभी भक्तों का बहुत स्नेह रहता है। उन्होंने कहा कि आज जो भाई से भाई टूट रहे हैं, दूर हो रहे हैं, बिछड़ रहे हैं, जिनका भाई से भाई का मुकदमा चल रहा है, उनके लिए यह यात्रा संदेश देती है कि एक भाई अयोध्या का राजा था, दूसरा भाई उस व्यवस्था को ठोकर मारते हुए अयोध्या जैसे राज्य को छोड़कर वन में चला गया। यही हमारे रामराज्य की परिकल्पना है, उसी को दोहराते हुए हम लोग इस यात्रा को हर वर्ष पूरा करते हैं।

## अनंत सिंह की बेटी की शादी के जश्न में हादसा, घुड़दौड़ देखते समय बुजुर्ग की मौत



**पटना (एजेंसी)**

पटना जिले के नदवां गांव में मोकामा के विधायक अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह की शादी के जश्न के दौरान आयोजित घुड़दौड़ देखते समय अचानक बीमार पड़ने से बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। खबरों के अनुसार, यह बुजुर्ग व्यक्ति घुड़दौड़ देखने के लिए नदवान आए थे, तभी अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। पुलिसकर्मी उन्हें बेहोशी की हालत में बाढ़ अनुमंडल अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनका शव दो घंटे तक इमरजेंसी वार्ड में एक व्हीलचेयर पर रखा रहा। पुलिस अभी तक उनकी पहचान नहीं कर पाई है और मौत के सही कारण का भी पता नहीं चला है।

आगे की जानकारी का इंतजार है। यह घटना बुधवार को अनंत सिंह की बेटी शिवांगी सिंह और ऋषिकेश कुमार की शादी के भव्य जश्न के दौरान हुई। शादी के कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में एक बड़ी घुड़दौड़ का आयोजन किया गया था, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से लोग शामिल हुए। प्रतियोगिता देखने के लिए हजारों लोग जमा हो गए। भीड़ इतनी ज्यादा हो गई कि कुछ दर्शक घोड़ों को देखने के लिए मोबाइल टावरों और ऊंचे पेड़ों पर चढ़ गए। अनंत सिंह ने माइक्रोफोन से बार-बार लोगों से नीचे उतरने और अपनी जान जोखिम में न डालने की अपील की लेकिन फिर भी कई दर्शक ऊंची जगहों पर ही डटे रहे। भारी भीड़ और उसे संभालने में आ रही दिक्कतों के कारण बुधवार को घुड़दौड़ पूरी नहीं हो सकी। अब यह गुरुवार को आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की है। पहले स्थान पर रहने वाले विजेता को महिंद्रा थार मिलेगी जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाले को मोटरसाइकिल दी जाएगी। तीसरे स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को स्कूटर मिलेगा। नदवान में शादी के जश्न में भारी भीड़ उमड़ी है, जिसमें बिहार और अन्य राज्यों से मेहमान और लोग पहुंचे हैं।

## तिलक समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग, 21 वर्षीय युवक की कनपटी में लगी गोली

**पटना (एजेंसी)**




बिहार की राजधानी पटना के बिक्रम थाना क्षेत्र के महजपुरा गांव में बुधवार देर रात तिलक समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग में 21 वर्षीय युवक घायल हो गया। गोली युवक की कनपटी में लगी, जिससे समारोह में अफरातफरी मच गई। परिजनों और ग्रामीणों ने आनन-फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल युवक की पहचान महजपुरा गांव निवासी सुरेंद्र साव के पुत्र संतू साव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गांव में तिलक समारोह चल रहा था। इसी दौरान हर्ष फायरिंग की गई और एक गोली संतू साव को जा लगी। गोली लगते ही वह गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद समारोह में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

**गोली किसने चलाई, पुलिस जुटा रही जानकारी**

घटना की खबर मिलते ही घायल के परिजन अस्पताल पहुंचे। युवक की हालत को लेकर परिवार के लोग परेशान हैं। वहीं, समारोह में हर्ष फायरिंग की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सार्वजनिक आयोजन में हथियार लेकर पहुंचने और फायरिंग किए जाने को लेकर भी चिंता जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। समारोह में मौजूद लोगों से पूछताछ कर गोली चलाने वाले व्यक्ति और इस्तेमाल किए गए हथियार के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि फायरिंग किसने की और गोली किस हथियार से चलाई गई। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद घटना की स्थिति स्पष्ट होगी।

## जमीन विवाद में किसान की गोली मारकर हत्या, सीने में मारी गोली, गांव में तनाव

**मधेपुरा (एजेंसी)**



बिहार के मधेपुरा जिले के बिहारीगंज में गुरुवार सुबह जमीन विवाद को लेकर एक किसान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना लक्ष्मीपुर लालचंद पंचायत के चांय टोला वार्ड-6 की है। मृतक की पहचान 50 वर्षीय कृपाली मंडल के रूप में हुई है। गोली उनके सीने में लगी थी। परिजन उन्हें लेकर बिहारीगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। मृतक के छोटे भाई अशोक मंडल ने बताया कि गुरुवार सुबह वह अपने बेटे के साथ बोरिंग कराने चटनमा गांव गए थे। वहां से लौटते समय रास्ते में गांव के ही प्रह्लाद मंडल ने उन पर गोली चला दी। हालांकि, गोली उन्हें नहीं लगी और वह किसी तरह जान बचाकर घर पहुंच गए। घर पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनके भाई कृपाली मंडल को गोली मार दी गई है। सूचना मिलते ही वह घटनास्थल पर पहुंचे। उस समय कृपाली घायल अवस्था में पड़े थे। अशोक उन्हें बाइक से मंजौरा पुलिस कैंप ले गए।

वहां से उन्हें बिहारीगंज पीएचसी पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, कृपाली मंडल के परिवार का गांव के ही जगदेव मंडल और उनके बेटे प्रह्लाद मंडल के साथ करीब 25 साल से 81 डिसमिल जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इस जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले भी कई बार मारपीट हो चुकी थी। परिजनों ने इसी पुरानी रंजिश में कृपाली मंडल की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। कृपाली मंडल अपने पीछे दो बेटियां और तीन बेटे छोड़ गए हैं। घटना की सूचना मिलने पर उदाकिशुनगंज के डीएसपी पवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजनों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## बिहार : भूमि सर्वेक्षण की हर महीने होगी समीक्षा, मंत्री दिलीप जायसवाल खुद करेंगे मॉनिटरिंग

**पटना (एजेंसी)**

बिहार में चल रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए राज्य सरकार ने निगरानी व्यवस्था सख्त करने का फैसला लिया है। अब राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल हर महीने सर्वेक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करेंगे।

वहीं, सर्वे निदेशालय में पदस्थापित नोडल पदाधिकारी अपने जिम्मे आवंटित जिलों के कार्यों की प्रतिदिन समीक्षा कर मुख्यालय को रिपोर्ट देंगे। जिलों के प्रदर्शन का आकलन निर्धारित मासिक लक्ष्य और उसके मुकाबले हुई उपलब्धि के आधार पर किया जाएगा। बुधवार को पटना के शास्त्रीनगर स्थित राजस्व सर्वेक्षण प्रशिक्षण संस्थान में विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि सर्वेक्षण कार्यों में तेजी लाने के साथ गुणवत्ता और पारदर्शिता का भी पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि विशेष भूमि सर्वेक्षण सरकार की प्राथमिकता वाला महत्वपूर्ण अभियान है। इसे तय समय सीमा में पूरा करने के लिए प्रत्येक जिले में हो रहे कार्यों की नियमित निगरानी जरूरी है। मंत्री ने सर्वे निदेशालय में तैनात नोडल पदाधिकारियों को अपने-अपने आवंटित जिलों की प्रतिदिन समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्हें संबंधित जिलों से दैनिक प्रगति की जानकारी लेकर नियमित रूप से मुख्यालय को रिपोर्ट उपलब्ध करानी होगी। इससे सर्वेक्षण के दौरान आने वाली बाधाओं की समय रहते पहचान कर उनका समाधान किया जा सकेगा। मंत्री ने कहा कि दैनिक मॉनिटरिंग और मासिक समीक्षा से अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होगी।

## सत्ता की मास्टर चाबी हासिल किए बिना अधूरा है बाबा साहेब का आत्मसम्मान का मिशन : मायावती

**लखनऊ (एजेंसी)**



बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संविधान दिवस के मौके पर बहुजन समाज से सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथ में लेने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का आत्मसम्मान और स्वाभिमान का मिशन आज भी अधूरा है, क्योंकि बहुजन समाज सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथ में नहीं ले पाया है।

उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य उपेक्षित वर्गों को जातिवादी शोषण और गुलामी से मुक्ति दिलाकर शासक वर्ग बनाने के लिए बाबा साहेब ने आजीवन संघर्ष और त्याग किया। मायावती ने गुरुवार को संविधान दिवस पर जारी अपने संदेश में कहा कि 26 नवंबर को जब केंद्र और राज्य सरकारें संविधान दिवस मना रही हैं, तब बहुजन समाज को अपने महान संतों, गुरुओं और महापुरुषों के संदेशों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

खासकर बाबा साहेब के इस अमर संदेश को समझने की जरूरत है कि सत्ता वह मास्टर चाबी है, जिससे तरक्की और विकास के तमाम बंद दरवाजे खुल जाते हैं। आजादी के इतने लंबे समय बाद और बहुजन हितैषी मानवतावादी संविधान होने के बावजूद दिल्ली की सत्ता बहुजन समाज की पहुंच से दूर क्यों है, इस पर आत्मचिंतन होना चाहिए।

उन्होंने केंद्र में अब तक रही सरकारों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरक्षण के संवैधानिक दायित्व के साथ ही गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की जिम्मेदारी क्या ईमानदारी और निष्ठा से निभाई गई है? यदि ऐसा नहीं हुआ है तो अब इसका हिसाब-किताब क्यों नहीं मांगा जाना चाहिए? बसपा प्रमुख ने कहा कि 26 नवंबर 1949 को संविधान की औपचारिक स्वीकृति से ठीक एक दिन पहले संविधान सभा में अपने समापन भाषण में बाबा साहेब ने जातियों को देशविरोधी बताते हुए जातिवाद के परित्याग और भारत को देश से राष्ट्र में बदलने के लिए ठोस उपाय करने की जरूरत बताई थी। उन्होंने स्पष्ट किया था कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से संतुष्ट नहीं होना चाहिए बल्कि देश के संपूर्ण और समग्र विकास के लिए सामाजिक एवं आर्थिक लोकतंत्र भी जरूरी है। बसपा अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से विरोधी दलों, जातिवादी तत्वों तथा स्वार्थी संगठनों के साम, दाम, दंड और भेद जैसे हथकंडों का मुकाबला करते हुए बसपा को सत्ता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

## बिहार : सीवान के लापता दोनों छात्रों की हत्या? दो दिनों में मिले शव, गन्ना तोड़ने के विवाद से जुड़ा मामला

**गोपालगंज (एजेंसी)**

सीवान जिले के एक मदरसे से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए दो छात्रों में से दूसरे छात्र अशरफ अली का शव भी गुरुवार को गोपालगंज से बरामद कर लिया गया। इससे पहले बुधवार को पहले छात्र 14 वर्षीय मोहम्मद जैद अली का शव थावे थाना क्षेत्र के बंगरा पांडेय टोली स्थित चंवर में एक तालाब के पास मिला था।

अशरफ का शव भी थावे थाना क्षेत्र के उदंत राय के बंगरा और हरपुर के बीच चंवर में चिमनी के पास मिला है। लगातार दो दिनों में दोनों लापता छात्रों के शव मिलने से सीवान और गोपालगंज के पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। वहीं, स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। बुधवार को मोहम्मद जैद अली का शव मिलने के बाद से ही पुलिस दूसरे लापता छात्र अशरफ अली की तलाश में युद्धस्तर पर जुटी हुई थी। चंवर और आसपास के दुर्गम इलाकों में सघन तलाशी के लिए पुलिस ड्रोन कैमरों और डॉग स्क्वायड की मदद ले रही थी। इसी क्रम में गुरुवार को चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस को अशरफ अली का भी शव बरामद हुआ। अशरफ अली, पिता असलम कुरैशी, पुरानी बाजार, थाना बड़हरिया, जिला सीवान का निवासी था। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार, बीते 23 नवंबर को सीवान के एक मदरसे के पांच छात्र चंदा वसूलने के लिए ऑटो रिक्शा से गोपालगंज आए थे। रास्ते में थावे थाना क्षेत्र के बंगरा गांव के पास उनका ऑटो अचानक खराब हो गया। इस दौरान चार छात्र पास के ही एक खेत में गन्ना तोड़ने चले गए। आरोप है कि खेत मालिक ने छात्रों को गन्ना तोड़ते हुए पकड़ लिया था।

## यूपी चुनाव : ओवैसी-चंद्रशेखर का दांव, दलित सीएम और मुस्लिम डिप्टी सीएम का नारा देकर दिखाई ताकत

**लखनऊ (एजेंसी)**



उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने गुरुवार को लखनऊ में एक मंच पर आकर सियासी ताकत दिखाने की कोशिश की। आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम के गठबंधन 'सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' की पहली बड़ी संयुक्त रैली में दोनों नेताओं ने एक साथ मंच साझा किया। रमाबाई अंबेडकर मैदान में आयोजित 'बहुजन स्वराज संकल्प महारैली' में दलित और मुस्लिम एकजुटता का संदेश देने के साथ सत्ता में भागीदारी का नारा बुलंद किया गया। रैली स्थल पर लगे पोस्टरों में 'दलित का बेटा मुख्यमंत्री बनेगा और अब्दुल का बेटा उपमुख्यमंत्री बनेगा' का नारा प्रमुखता से नजर आया। रैली में ओवैसी और चंद्रशेखर के पहुंचने पर समर्थकों ने बड़ी माला पहनाकर उनका स्वागत किया। पूरे मैदान में नीले और हरे झंडे दिखाई दिए। कार्यकर्ताओं ने 'जय भीम' के नारे लगाकर गठबंधन के प्रति अपना समर्थन जताया।

आयोजकों ने इस रैली में पांच लाख लोगों के जुटने का दावा किया था। रैली को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि दबे-कुचले और वंचित समाज के लोगों के पास न खाने के लिए भोजन है और न पहनने के लिए कपड़े। उनके पास अगर कुछ है तो वह बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का दिया हुआ संविधान है। उन्होंने कहा कि दलित और मुसलमान न पहले कभी आपस में लड़े थे और न आगे लड़ेंगे। शौकत अली ने कहा कि उनके नेता ने संसद में कहा था कि जब अनुसूचित जाति समाज का बेटा प्रधानमंत्री बनेगा, तभी पिछड़ों को न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि उनके नेता और कार्यकर्ता मिलकर दलित समाज के नेता चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। गरीब, दलित, शोषित और वंचित समाज का बेटा प्रदेश की सत्ता संभाले, यही इस गठबंधन का संकल्प है। एआईएमआईएम के सचिव डॉ. आदिल ने कहा कि रैली में उमड़ रही भीड़ साफ संदेश दे रही है कि सामाजिक परिवर्तन मोर्चा उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक विकल्प के रूप में उभर रहा है।

## कांग्रेस ने सबसे ज्यादा किया संविधान का दुरुपयोग, संविधान बचाओ यात्रा से जनता को कर रहे गुमराह : बृजभूषण

**गोंडा (एजेंसी)**



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बृजभूषण शरण सिंह ने कांग्रेस की संविधान यात्रा पर सवाल उठाते हुए पार्टी पर संविधान के सबसे अधिक दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज संविधान बचाने का नारा देने वाली कांग्रेस को पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए।

संविधान का दुरुपयोग करने का सबसे ज्यादा काम कांग्रेस की सरकारों ने किया है और चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम भी कांग्रेस ने ही किया। बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को गोंडा में कहा कि कांग्रेस संविधान बचाने के नाम पर जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। धारा 356 के दुरुपयोग से लेकर चुनी हुई सरकारों को गिराने तक का इतिहास कांग्रेस के खाते में दर्ज है। यह उनके कहने से नहीं, बल्कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड देखकर कोई भी इसकी पुष्टि कर सकता है कि कांग्रेस ने कितनी बार चुनी हुई सरकारों को गिराने का काम किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में लगाए गए आपातकाल का जिक्र करते हुए कहा कि इसकी सबसे बड़ी मिसाल आपातकाल है। इंदिरा गांधी के चुनाव के खिलाफ राज नारायण की याचिका पर हाईकोर्ट का फैसला आया था, लेकिन संविधान और अदालत के फैसले को दरकिनार करते हुए रातों-रात देश में आपातकाल लगा दिया गया। भाजपा नेता ने कहा कि आपातकाल के दौरान बड़े नेताओं को छोड़िए, छात्र नेताओं तक को जेल में डाल दिया गया था। डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में भी कोई ऐसा नेता नहीं बचा था, जिसे जेल न जाना पड़ा हो। उस समय जेल में बंद लोगों को यह तक लगता था कि वे शायद कभी बाहर नहीं आ पाएंगे।

उन्होंने कहा कि उस दौर में देश के युवाओं और बच्चों ने भी आंदोलन की कमान संभाली। 'इंदिरा तेरी तानाशाही नहीं चलेगी' का नारा गूंजने लगा। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में पटना के गांधी मैदान में विशाल सम्मेलन हुआ, जिसके बाद देशभर में विरोध और विद्रोह की लहर फैल गई। अंततः आपातकाल हटाया गया और चुनाव हुए तो कांग्रेस का सफाया हो गया। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि जिस पार्टी ने संविधान का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किया, वही आज संविधान बचाओ का नारा देकर जनता को गुमराह कर रही है। कांग्रेस को दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपना इतिहास देखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के आरोपों का जवाब देने के लिए किसी की व्यक्तिगत राय की जरूरत नहीं है, बल्कि ऐतिहासिक रिकॉर्ड ही सब कुछ बता देता है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर आपातकाल क्यों लगाया गया था और लाखों लोगों को जेल में क्यों बंद किया गया था? विद्यार्थियों को जेल में डालने की क्या वजह थी? उन्होंने कहा कि कांग्रेस की संविधान बचाओ मुहिम महज जनता को भ्रमित करने की कोशिश है।

# किम जोंग उन ने किया परमाणु ठिकानों का दौरा, सामरिक हथियारों के व्यापक इस्तेमाल पर रहा जोर

**सोल (एजेंसी)**



**उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, किम ने इन परमाणु ठिकानों का दौरा किया। हालांकि, उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने अपनी रिपोर्ट में इन केंद्रों के नाम और उनके स्थान का खुलासा नहीं किया**

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने बुधवार को देश के परमाणु ठिकानों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने परमाणु हथियार उत्पादन क्षमता को और मजबूत करने का आह्वान किया। परमाणु सामग्री उत्पादन केंद्रों और हथियार अनुसंधान संस्थान का निरीक्षण करते हुए उन ने कहा कि देश को अलग-अलग सैन्य अभियानों में सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया की समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, किम ने बुधवार को इन परमाणु ठिकानों का दौरा किया। हालांकि, उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए ने अपनी रिपोर्ट में इन केंद्रों के नाम और उनके स्थान का खुलासा नहीं किया। निरीक्षण के दौरान किम ने कहा कि उत्तर कोरिया अपनी परमाणु सामग्री उत्पादन क्षमता का व्यवस्थित और लगातार विस्तार कर रहा है, ताकि देश के परमाणु हथियारों के जखीरे को मजबूत और आधुनिक बनाया जा सके।

उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और अलग-अलग सैन्य अभियानों में सामरिक परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की क्षमता विकसित करने को महत्वपूर्ण और तत्काल आवश्यकता बताया। किम ने इसके पीछे आधुनिक युद्ध में सामरिक परमाणु हथियारों की सैन्य उपयोगिता और उत्तर कोरिया की उस देश के साथ साझा सीमा का हवाला दिया, जिसे उन्होंने सबसे खतरनाक शत्रु देश बताया। उनका इशारा दक्षिण कोरिया की ओर था। उत्तर कोरियाई नेता ने अमेरिका पर पूर्वोत्तर एशिया में परमाणु प्रसार को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा,' अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ परमाणु हथियार साझा करने और उनके संयुक्त इस्तेमाल की व्यवस्था विकसित कर रहा है। इससे क्षेत्र में एक वैश्विक परमाणु सैन्य गठबंधन प्रणाली तैयार हो रही है। किम ने कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिस्थितियों में उत्तर कोरिया के लिए अपने परमाणु हथियारों के भंडार को बढ़ाना और भी जरूरी हो गया है।

उन्होंने दोहराया कि उत्तर कोरिया की परमाणु शक्ति संपन्न देश की स्थिति में कोई बदलाव नहीं है और बाहरी देशों के बयानों या परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग से इसमें कोई परिवर्तन नहीं आएगा। उत्तर कोरिया ने वर्ष 2023 में अपने संविधान में खुद को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में स्थापित किया था। किम ने कहा कि परमाणु हथियारों का स्वामित्व देश की संप्रभुता और सुरक्षा की बुनियादी गारंटी है। इसे खत्म करने की किसी भी कोशिश को उत्तर कोरिया अपनी संप्रभुता पर हमला और युद्ध की घोषणा के रूप में देखेगा। इस साल फरवरी में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नौवीं कांग्रेस में भी उत्तर कोरिया ने अपनी परमाणु हथियार संपन्न देश की स्थिति को अपरिवर्तनीय बताया था। उस दौरान प्योंगयांग ने पांच वर्षीय सैन्य आधुनिकीकरण योजना के तहत परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को और मजबूत करने का संकल्प लिया था। यह किम जोंग उन का किसी परमाणु केंद्र का चौथा ऐसा दौरा है, जिसकी जानकारी सरकारी मीडिया ने सार्वजनिक की है। इससे पहले उन्होंने सितंबर 2024, जनवरी 2025 और जून 2026 में भी परमाणु प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया था।

योनहाप के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने वर्ष 2006 से अब तक छह परमाणु परीक्षण किए हैं। उसका आखिरी और सबसे शक्तिशाली परमाणु परीक्षण सितंबर 2017 में हुआ था। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री ने अगस्त 2026 में निजी शोध संस्थानों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा था कि उत्तर कोरिया के पास 80 से 120 परमाणु हथियार हो सकते हैं।

## व्हाइट हाउस करेगा साइबर सिस्टम का पुनर्गठन, नई भर्तियों से मजबूत होगी सुरक्षा

**वाशिंगटन (एजेंसी)**



व्हाइट हाउस ने अमेरिका की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बड़े बदलाव का ऐलान किया है। इस योजना के तहत साइबर सिस्टम का पुनर्गठन किया जाएगा और साइबर सिक्योरिटी से जुड़े पदों पर नई भर्तियां भी बढ़ाई जाएंगी, ताकि बढ़ते साइबर हमलों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। व्हाइट हाउस ने कहा कि 'सभी सरकारी साइबर सुरक्षा कार्यक्रमों के बीच प्रभावी तालमेल सुनिश्चित करने के लिए' राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और होमलैंड सुरक्षा परिषद के तहत साइबर नीति और संचालन टीमों का पुनर्गठन किया जाएगा। इस घोषणा में नियोजित संगठनात्मक बदलावों के साथ-साथ पहले से चल रही भर्ती और सुरक्षा पहलों के बारे में बताया गया है।

इसमें पुनर्गठन पूरा होने की कोई तारीख नहीं दी गई है। व्हाइट हाउस ने बताया कि साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचा सुरक्षा एजेंसी (सीआईएसए) को भर्ती संबंधी सामान्य सीमाओं से छूट दी गई है, और इसने महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए 200 से अधिक लोगों को काम पर रखा है। एजेंसी को उम्मीद है कि आने वाले महीनों में 400 और लोगों को शामिल किया जाएगा। घोषणा के अनुसार, सरकारी प्रणालियों को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए, 'ऑफिस ऑफ पर्सनल मैनेजमेंट' के 'यूनाइटेड स्टेट्स टेक फोर्स' ने एक साल से भी कम समय में निजी क्षेत्र से लगभग 500 इंजीनियरों को विभिन्न प्रमुख संघीय एजेंसियों में नियुक्त किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेंटागन की मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) कर्स्टन डेविस को 'ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर' का प्रमुख नामित किया है। बयान में कहा गया है कि इस कार्यालय को व्हाइट हाउस की पुनर्गठित नीति और परिचालन ढांचे में शामिल किया जाएगा। न्याय विभाग और एफबीआई, 'ऑपरेशन विंटर शील्ड' के अगले चरण के रूप में, अगले सप्ताह एक और साइबर सुरक्षा पहल की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं।

## अमेरिका : ईरान प्रतिबंध उल्लंघन और व्यापारिक जासूसी मामले में चीनी कंपनी हुआवेई दोषी करार

**वाशिंगटन (एजेंसी)**




अमेरिका की एक संघीय जूरी ने चीन की दिग्गज दूरसंचार कंपनी हुआवेई टेक्नोलॉजीज को ईरान पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन, बैंक धोखाधड़ी और व्यापारिक गोपनीयता चुराने की साजिश के मामले में दोषी ठहराया है। हालांकि, जूरी ने कंपनी को संगठित आपराधिक गतिविधियों और न्याय में बाधा डालने की साजिश के आरोपों से बरी कर दिया। ब्रुकलिन की संघीय अदालत में मंगलवार को सुनाए गए फैसले में हुआवेई को कुल 12 में से 10 आरोपों में दोषी पाया गया। कंपनी की तीन सहयोगी इकाइयों हुआवेई डिवाइस, हुआवेई डिवाइस यूएसए और फ्यूचरवे टेक्नोलॉजीज को व्यापारिक गोपनीयता चुराने और वायर धोखाधड़ी की साजिश के आरोपों में दोषी ठहराया गया। हालांकि, ईरान प्रतिबंधों के उल्लंघन, बैंक धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित दोषसिद्धि सीधे हुआवेई टेक्नोलॉजीज पर लागू हुई, उसकी तीनों सहयोगी कंपनियों पर नहीं। फैसले के बाद हुआवेई ने बुधवार को जारी बयान में फैसले को खारिज किया, हालांकि संगठित आपराधिक गतिविधियों की साजिश वाले आरोप से बरी होने का स्वागत किया।

कंपनी ने कहा, हमारा मानना है कि सरकार के बाकी आरोप भी कानूनी और तथ्यात्मक आधार से रहित हैं। हम फैसले की समीक्षा करेंगे और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनी कदम उठाएंगे। अमेरिकी जिला न्यायाधीश एन. डोनेली की अदालत में करीब 12 सप्ताह तक सुनवाई चली। दोषी ठहराई गई कंपनियों को 14 सितंबर 2027 को सजा सुनाई जाएगी। अमेरिकी न्याय विभाग के मुताबिक, कंपनियों को आपराधिक जुर्माने, संपत्ति जब्ती और क्षतिपूर्ति सहित वित्तीय दंड का सामना करना पड़ सकता है। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि हुआवेई ने ईरान में अपने कारोबार को छिपाने के लिए स्काईकॉम नामक कंपनी को स्वतंत्र कारोबारी साझेदार के रूप में पेश किया, जबकि वह उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहयोगी इकाई थी। अभियोजकों के अनुसार, हुआवेई ने बैंकों को स्काईकॉम के साथ अपने संबंधों और अमेरिकी प्रतिबंधों के अनुपालन को लेकर गलत जानकारी दी।

## मिस्र की राजधानी काहिरा के पास हाइवे पर भीषण हादसा, तेल टैंकर पलटने के बाद लगी आग में 31 लोगों की मौत : 25 से अधिक घायल

**काहिरा (एजेंसी)**



**हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, जबकि बचावकर्मियों ने जलती हुई गाड़ियों से लोगों को बाहर निकाला**

मिस्र की राजधानी काहिरा के पास बुधवार रात को एक ईंधन टैंकर के पलटने से भीषण आग लग गई। हादसे में 31 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य झुलस गए। आग की चपेट में आने से दो दर्जन से अधिक कारें और मोटरसाइकिलें जलकर खाक हो गईं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हादसा काहिरा के प्रमुख रिंग रोड पर हुआ।

गीजा प्रांत के अल-वर्राक इलाके में पेट्रोलियम उत्पादों से भरा एक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद उसमें आग लग गई, जिसने देखते ही देखते आसपास से गुजर रहे वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। मिस्र के सार्वजनिक अभियोजन कार्यालय के अनुसार, हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया गया। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की, जबकि बचावकर्मियों ने जलती हुई गाड़ियों से लोगों को बाहर निकाला। घटनास्थल पर सैकड़ों लोग जमा हो गए थे। मिस्र के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। राहत अभियान में 39 एंबुलेंस लगाई गईं। अधिकारियों ने मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच शुरू कराई है, क्योंकि आग में कई शव बुरी तरह झुलस गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री खालिद अब्देल गफ्फार ने कहा,' मृतकों की संख्या शुरुआती अनुमान पर आधारित है और इसमें बढ़ोतरी हो सकती है।' उन्होंने घटनास्थल का दौरा करने और घायलों के इलाज की व्यवस्था की निगरानी करने की बात कही।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने हादसे में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना जताई और संबंधित अधिकारियों को पीड़ित परिवारों की सहायता करने के निर्देश दिए। प्रारंभिक जांच के मुताबिक, टैंकर चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया था। इसके बाद टैंकर सड़क के कंक्रीट डिवाइडर से टकराकर पलट गया और उसमें आग लग गई। हालांकि, हादसे के सटीक कारणों और जिम्मेदारी तय करने के लिए जांच जारी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मिस्र में सड़क दुर्घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बनी हुई हैं।

तेज रफ्तार, खराब सड़कें और यातायात नियमों के कमजोर क्रियान्वयन को यहां होने वाले हादसों की प्रमुख वजह माना जाता है। मिस्र की सरकारी सांख्यिकी एजेंसी के अनुसार, वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में 5,829 लोगों की मौत हुई थी, जो 2024 के 5,260 के आंकड़े से 10.8 प्रतिशत अधिक थी। साल की शुरुआत में भी दक्षिणी प्रांत बेनी सुएफ के पास कई वाहनों की टक्कर में 21 लोगों की मौत और 16 लोग घायल हुए थे।

## केजरीवाल और सिसोदिया पर सुनील जाखड़ का तंज, मोगा दौरे को लेकर उठाए सवाल

**चंडीगढ़ (एजेंसी)**

भाजपा नेता सुनील जाखड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया पर निशाना साधा है। गुरुवार को संविधान दिवस मनाए जाने के मौके पर सुनिल जाखड़ ने केजरीवाल और सिसोदिया से सवाल पूछा है कि संविधान में कहां लिखा है कि चुनाव जीतने के लिए 'साम, दाम, दंड, भेद, लड़ाई-झगड़ा, झूठ-सच' का सहारा लिया जा सकता है।

सुनिल जाखड़ ने 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, आज जब केजरीवाल और मनीष सिसोदिया संविधान दिवस मना रहे हैं, तो क्या वे हमें बता सकते हैं कि संविधान में कहां कहा गया है कि चुनाव जीतने के लिए साम, दाम, दंड, भेद, लड़ाई-झगड़ा और झूठ का सहारा लेने की अनुमति है? भाजपा नेता ने केजरीवाल और सिसोदिया के मोगा आने को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि अब जब वे मोगा आ रहे हैं, तो क्या वे उस कथित खालिस्तान कमांडो फोर्स के समर्थक को भी पार्टी में लाएंगे, जिसके घर पर केजरीवाल 2017 में रुके थे? उन्होंने पूछा कि क्या वे उसे भी उस 'गैंगस्टरों और अपराधियों की सेना' में शामिल करेंगे, जिसे उन्होंने पंजाब में अराजकता और अशांति फैलाने के लिए पहले से ही पार्टी में भर्ती कर रखा है? सुनील जाखड़ ने कहा कि पंजाब के लोग हर दिन अपनी सड़कों पर हो रही गोलीबारी में इस नीति के सबूत देखते हैं और इसके परिणाम भुगतते हैं। उन्होंने कहा कि आपकी इस दुर्भावनापूर्ण नीति का असर पंजाब की जनता रोज देख रही है और झेल रही है। वहीं, दूसरी ओर इससे पहले 25 नवंबर को दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य में नशा तस्करी, गैंगवार, हत्या, रंगदारी और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए थे।

## बाबा साहब ने संविधान के रूप में दिया सबसे बड़ा उपहार, इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य : अभिजीत दिपके

**नागपुर (एजेंसी)**



संविधान दिवस के अवसर पर नागपुर स्थित दीक्षाभूमि में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके और सह-संयोजक आशुतोष रांका ने संविधान की रक्षा का आह्वान किया। दोनों ने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है बल्कि यह देश की आत्मा है और इसी की बदौलत भारत मजबूती से खड़ा है। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आज का दिन बहुत पवित्र है।

यह दिन न सिर्फ हमारे लिए बल्कि इस देश के सभी नागरिकों और पूरे राष्ट्र के लिए खास है। उन्होंने कहा कि इसी संविधान की बदौलत हमारा देश मजबूती से खड़ा है और संविधान द्वारा बताए गए रास्ते पर चलकर ही हमारा देश सच में तरक्की कर सकता है। दिपके ने बताया कि इस पवित्र दिन की शुरुआत में हम बाबा साहब अंबेडकर को नमन करने के लिए आज दीक्षाभूमि आए हैं। उन्होंने कहा कि दीक्षाभूमि वह जगह है, जहां से बाबा साहब ने समानता और मानवता का संदेश दिया था। इसलिए संविधान दिवस की शुरुआत के लिए इससे बेहतर जगह और कोई नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि अभिनेता प्रकाश राज भी आज पहली बार नागपुर आ रहे हैं और संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ रैली में शामिल होंगे। उनके आने से इस आंदोलन को और मजबूती मिलेगी। अभिजीत दिपके ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि बाबा साहब अंबेडकर ने इस देश को सबसे बड़ा उपहार हमारा संविधान दिया है, और इसकी रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

आज सभी को एक साथ आना चाहिए, संविधान के बारे में बात करनी चाहिए और डॉ. बाबा साहब अंबेडकर के विचारों पर चर्चा करनी चाहिए। हमें किसी भी हाल में संविधान या बाबा साहब की विचारधारा को खत्म नहीं होने देना है। इन्हें जीवित रखना हमारी जिम्मेदारी है। दिपके ने बताया कि गुरुवार शाम 4 बजे लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ रैली है और इसमें सभी को जरूर शामिल होना चाहिए।

वहीं, सीजेपी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने कहा कि आज का दिन देश के सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है। संविधान ही हमारी विचारधारा है। हमारे देश के मूल्य इसी संविधान में लिखे गए हैं। रांका ने चिंता जताते हुए कहा, 'पिछले कुछ सालों में संविधान के मूल सिद्धांतों पर जिस तरह से हमले हुए हैं, उसे देखते हुए एक राष्ट्र के रूप में हमारा यह फर्ज बनता है कि हम अपने संविधान को बचाने के लिए आगे आएं। आप देख सकते हैं कि पिछले कुछ सालों में हमारी प्रस्तावना में लिखी बातों- चाहे वह धर्मनिरपेक्षता हो, समाजवाद हो या लोकतंत्र - इन सभी पर सीधे हमले हुए हैं।' इसीलिए आज, हम देश के सभी लोगों से संविधान को बचाने की अपील करते हैं।

## झारखंड : रामगढ़ के चितरपुर में टाटा मैजिक और हाइवा की टक्कर में दो की मौत, 4 घायल

**रामगढ़ (एजेंसी)**

झारखंड के रामगढ़ जिले में गुरुवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना चितरपुर स्थित काली चौक के पास टाटा मैजिक और हाइवा के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर में हुई। घायलों में एक की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है और उसे बेहतर उपचार के लिए चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, टाटा मैजिक गोला से रामगढ़ की ओर जा रहा था। इसी दौरान चितरपुर काली चौक के समीप विपरीत दिशा से आ रहे एक हाइवा से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि टाटा मैजिक के परखच्चे उड़ गए और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि मैजिक में कुल छह लोग सवार थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला और तत्काल इलाज के लिए रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद दो लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि चार घायलों का उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार, घायलों में एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही रजरप्पा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल हाइवा (जेएच 02 बीजेड 3351) को कब्जे में लेकर जब्त कर लिया है, जबकि चालक की तलाश की जा रही है। शुरुआती तौर पर मृतकों के गोला क्षेत्र का निवासी होने की बात सामने आई है, हालांकि उनकी पहचान की आधिकारिक पुष्टि की प्रक्रिया जारी थी।

## पंजाब में पराली जलाने के 7,159 मामले दर्ज, करीब ढाई हजार किसानों पर लगा जुर्माना

**पटियाला (एजेंसी)**



पंजाब में धान की कटाई के बाद पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) की ओर से की गई कार्रवाई के बावजूद खेतों में आग लगाने के मामले सामने आए हैं। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से 25 नवंबर तक जारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पराली जलाने की कुल 7,159 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें से 6,924 स्थानों का फील्ड निरीक्षण किया गया, जबकि 2,780 स्थानों पर फसल अवशेष जलाने की पुष्टि हुई।

आंकड़ों के अनुसार, पराली जलाने के मामलों में 2,484 किसानों पर पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया है। इन पर कुल 1 करोड़ 24 लाख 95 हजार रुपए का मुआवजा निर्धारित किया गया, जबकि 45 लाख 20 हजार रुपए की वसूली की जा चुकी है। इसके अलावा 2,188 मामलों में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 223 के तहत एफआईआर दर्ज की गई हैं। किसानों के राजस्व रिकॉर्ड में 2,295 रेड एंट्री भी की गई हैं। पटियाला जिले की बात करें तो यहां पराली जलाने की 445 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इनमें से 441 स्थानों का निरीक्षण किया गया और 267 स्थानों पर फसल अवशेष जलाने की पुष्टि हुई। जिले में 234 मामलों में पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया। इसके तहत कुल 11 लाख 65 हजार रुपए का जुर्माना निर्धारित किया गया, जिसमें से 5 लाख 10 हजार रुपए की वसूली की गई है। वहीं, पटियाला जिले में पराली जलाने के मामलों में 265 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 214 किसानों के राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री की गई है।

जिले में 689 चेतावनी नोटिस भी जारी किए गए हैं। जिलेवार आंकड़ों पर नजर डालें तो फिरोजपुर में सबसे अधिक 918 पराली जलाने की घटनाएं दर्ज की गई हैं। इसके बाद संगरूर में 810, तरनतारन में 711, बठिंडा में 650 और मोगा में 417 मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में कुल 32.87096 लाख हेक्टेयर धान क्षेत्र में से 99.84 प्रतिशत क्षेत्र में कटाई पूरी हो चुकी थी। वहीं, राज्य स्तर पर कार्रवाई के तहत 41 मामलों में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन की प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि, रिपोर्ट में चालान जारी करने और अधिकारियों के निलंबन का आंकड़ा शून्य दर्ज किया गया है।

## सूरज-सा दमके बाबा महाकाल, भस्म आरती में वैष्णव तिलक लगाकर किया आलौकिक शृंगार, दर्शन को उमड़े भक्त

**उज्जैन (एजेंसी)**



विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में मार्गशीष कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि गुरुवार की सुबह 4 बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन-अभिषेक कर आकर्षक शृंगार किया गया। शृंगार के बाद बाबा महाकाल को भस्म रमाई गई। इस दौरान भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया और जय श्री महाकाल के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि मार्गशीष कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि गुरुवार पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल का विशेष शृंगार किया गया।

इस दौरान भस्म आरती के लिए सुबह 4 बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत को अर्पित कर किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई। गुरुवार के शृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का वैष्णव तिलक लगाकर शृंगार किया गया। फिर बाबा महाकाल ने दिव्य दर्शन दिए। आज बाबा महाकाल की भस्म आरती में बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे, जिन्होंने बाबा महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और बाबा महाकाल की भक्ति में लीन होकर जय श्री महाकाल का उद्घोष करने लगे।

## जोधपुर नगर निगम कार्यालय की लिफ्ट में 15 मिनट तक फंसे रहे मंत्री जोगाराम पटेल

**जोधपुर (एजेंसी)**



जोधपुर नगर निगम कार्यालय में गुरुवार (26 नवंबर 2026) सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल करीब 15 अन्य लोगों के साथ निगम की लिफ्ट में फंस गए। लिफ्ट पहली मंजिल पर ही अटक गई, जिसके बाद मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों में अफरातफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में टेक्निशियन को मौके पर बुलाया गया और करीब 15 मिनट की मशक्कत के बाद लिफ्ट का दरवाजा खोलकर मंत्री समेत सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पहली मंजिल पर रुक गई थी लिफ्टः कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल गुरुवार सुबह जोधपुर नगर निगम बोर्ड के गठन के बाद नवनिर्वाचित बोर्ड की पहली बैठक में शामिल होने के लिए कार्यालय पहुंचे थे। बैठक सभागार तीसरी मंजिल पर स्थित होने के कारण वे अपने समर्थकों और अन्य लोगों (करीब 15 लोग) के साथ लिफ्ट में सवार हुए, लेकिन लिफ्ट ऊपर जाने के बजाय पहली मंजिल पर ही रुक गई। टेक्निशियन की मदद से खोला गया दरवाजाः मंत्री के लिफ्ट में फंसे होने की सूचना मिलते ही नगर निगम प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए।

तत्काल तकनीकी टीम और टेक्निशियन को बुलाकर लिफ्ट को ठीक कराया गया। करीब 15 मिनट बाद बाहर निकलने पर मंत्री जोगाराम पटेल दूसरी लिफ्ट का उपयोग कर तीसरी मंजिल स्थित बैठक कक्ष में पहुंचे। लिफ्ट के रखरखाव की जताई आवश्यकताः इस पूरे घटनाक्रम के बाद जब मीडियाकर्मियों ने मंत्री जोगाराम पटेल से लिफ्ट में फंसने को लेकर सवाल किया, तो उन्होंने किसी भी तरह की अनहोनी या फंसने की बात से इनकार कर दिया। मंत्री ने कहा कि 'ऐसा कुछ भी नहीं था, किसी ने गलत जानकारी दी है। मैं लिफ्ट में फंसा नहीं था, बस यह जरूर है कि लिफ्ट काफी धीरे चल रही थी।' हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने नगर निगम प्रशासन को नसीहत देते हुए यह भी स्वीकार किया कि कार्यालय की इस लिफ्ट को तत्काल मेंटेनेंस (रखरखाव) की आवश्यकता है।

# दूसरे टेस्ट में बदलेगी भारत की प्लेइंग-11 : सिराज-जडेजा की होगी वापसी या गुरनूर करेंगे डेब्यू, कौन होगा बाहर?

**क्राइस्टचर्च (एजेंसी)**



भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुक्रवार से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जाएगा। वेलिंगटन में पहला टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद दोनों टीमें इस मुकाबले में जीत दर्ज करना चाहेंगी।

हालांकि, दूसरे टेस्ट से पहले सबसे ज्यादा चर्चा भारतीय टीम की प्लेइंग-11 को लेकर है। क्या मोहम्मद सिराज की वापसी होगी? क्या रवींद्र जडेजा फिर से अंतिम एकादश में जगह बनाएंगे? या फिर शुभमन गिल पहले टेस्ट में खेलने वाले संयोजन पर ही भरोसा जताएंगे? दूसरी तरफ न्यूजीलैंड को भी तेज गेंदबाजी विभाग में एक बदलाव पर विचार करना पड़ सकता है।

**सिराज की वापसी से किस तेज गेंदबाज पर गिरेगी गाज?**

भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ा चयन का सवाल मोहम्मद सिराज को लेकर है। उन्हें पहले टेस्ट में प्लेइंग-11 में जगह नहीं मिली थी। हालांकि, दूसरे टेस्ट से पहले उनकी वापसी की चर्चा तेज है। सिराज पिछले कुछ वर्षों में विदेश में भारत की टेस्ट जीत का अहम हिस्सा रहे हैं। आंकड़ों के मुताबिक, एशिया के बाहर भारत ने सिराज के बिना सात साल से अधिक समय में कोई टेस्ट नहीं जीता है। इस दौरान टीम की सभी 10 विदेशी टेस्ट जीत में सिराज प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे हैं। हालांकि, सिराज की वापसी इतनी आसान नहीं होगी। पहले टेस्ट में आकाश दीप और अंशुल कंबोज को मौका दिया गया था। कंबोज की बल्लेबाजी और आकाश दीप की गेंदबाजी ने टीम प्रबंधन के सामने चयन का पेच खड़ा कर दिया है।

गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी स्पष्ट कर चुके हैं कि सभी तेज गेंदबाज फिट और उपलब्ध हैं। ऐसे में अगर सिराज को मौका मिलता है तो आकाश दीप और कंबोज में से किसी एक को बाहर बैठना पड़ सकता है। चर्चा गुरनूर के डेब्यू की भी है। उन्होंने हालिया प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम प्रबंधन उन्हें भविष्य के मौके के लिए तैयार रखना चाहता है। हो सकता है उन्हें सिराज पर तरजीह दी जाए। जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा अपनी जगह बचाने में कामयाब हो सकते हैं।

**जडेजा या सुंदर, किसे मिलेगा स्पिन गेंदबाजी का जिम्मा?**

भारतीय टीम के सामने दूसरा बड़ा सवाल रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर को लेकर है। पहले टेस्ट में जडेजा की जगह सुंदर को मौका मिला था। उन्होंने पहली पारी में न्यूजीलैंड के स्पिन गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन दूसरी पारी में उनसे और योगदान की उम्मीद थी। अब देखना होगा कि टीम प्रबंधन सुंदर पर भरोसा कायम रखता है या अनुभवी जडेजा की वापसी कराता है। जडेजा गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में भी उपयोगी योगदान दे सकते हैं। दूसरी ओर सुंदर ने पिछले टेस्ट में मिले मौके का फायदा उठाया था। ऐसे में दोनों के बीच चयन का फैसला आसान नहीं होगा।

अगर अंशुल की जगह गुरनूर को खिलाया जाता है तो बल्लेबाजी विकल्प को मजबूत करने के लिए जडेजा को मौका दिया जा सकता है।

**न्यूजीलैंड के सामने डफी या फिशर को चुनने की चुनौती**

मेजबान न्यूजीलैंड को भी अपनी प्लेइंग-11 में बदलाव करना पड़ सकता है। जैकब डफी पहले टेस्ट में काफी महंगे साबित हुए थे। उन्होंने 200 से अधिक रन खर्च किए और उनकी इकोनॉमी एक रन प्रति गेंद से भी ज्यादा रही। ऐसे में उनके स्थान पर मैट फिशर को मौका देने पर विचार किया जा सकता है। ब्लेयर टिकनर भी डफी के विकल्प हो सकते थे, लेकिन चोट के कारण वह उपलब्ध नहीं हैं।

इसलिए न्यूजीलैंड के पास डफी और फिशर में से किसी एक को चुनने का विकल्प है। काइल जेमीसन के कार्यभार पर भी टीम प्रबंधन को नजर रखनी होगी। पहले टेस्ट में तेज गेंदबाजों ने काफी मेहनत की थी और दोनों मुकाबलों के बीच सिर्फ तीन दिन का अंतर है। भारत की ओर से यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल पारी की शुरुआत कर सकते हैं। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल, कप्तान शुभमन गिल और विकेटकीपर ऋषभ पंत मध्यक्रम की जिम्मेदारी संभालेंगे।

ध्रुव जुरेल को भी टीम में जगह मिलने की संभावना है। सातवें नंबर पर सुंदर और जडेजा में से किसी एक को चुना जा सकता है। तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप का खेलना लगभग तय माना जा सकता है। चौथे तेज गेंदबाज के लिए कंबोज, सिराज और गुरनूर के बीच मुकाबला है। न्यूजीलैंड की ओर से टॉम लाथम और डेवोन कॉनवे पारी की शुरुआत करेंगे।

हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र और डेरिल मिचेल मध्यक्रम में होंगे। टॉम ब्लंडेल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे, जबकि ग्लेन फिलिप्स और नाथन स्मिथ ऑलराउंडर के तौर पर टीम को संतुलन देंगे।

**भारत की संभावित प्लेइंग-11:** यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर/रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज/मोहम्मद सिराज/गुरनूर बराड़, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा।

**न्यूजीलैंड की संभावित प्लेइंग-11:** टॉम लाथम (कप्तान), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोल्स, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, नाथन स्मिथ, काइल जेमीसन, मैट हेनरी और जैकब डफी/मैथ्यू फिशर।

## क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में कैसा है भारत का टेस्ट रिकॉर्ड, 2020 में करना पड़ा था करारी हार का सामना

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जाना है। वेलिंगटन में खेला गया सीरीज का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। आइए आपको बताते हैं कैसा रहा है टीम इंडिया का हेगली ओवल के मैदान पर टेस्ट रिकॉर्ड। दरअसल, भारतीय टीम ने क्राइस्टचर्च के इस मैदान पर अब तक सिर्फ एक ही टेस्ट मैच खेला था और इस मुकाबले में टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 2020 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम पहली पारी में 242 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। इसके जवाब में भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की पहली पारी को 235 रनों पर समेटने में सफल रहे थे।

दूसरी पारी में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने आसानी से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए थे और पूरी टीम महज 124 रन बनाकर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड ने 132 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट खोकर हासिल करते हुए टेस्ट मैच को तीसरे ही दिन अपने नाम कर लिया था। हालांकि, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड ने इस ग्राउंड पर अब तक कुल 15 टेस्ट मैच खेले हैं और टीम को 9 में जीत हासिल हुई है। हेगली ओवल में



न्यूजीलैंड को 4 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम के लिहाज से पहला टेस्ट मैच शानदार रहा था। केएल राहुल और ऋषभ पंत शतकीय पारियां खेलने में सफल रहे थे, तो यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और कप्तान गिल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेली थीं। भारतीय टीम पहली पारी में ही 720 रन बनाने में सफल रही थी, जो न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर था। हालांकि, भारतीय टीम के गेंदबाज दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए जरूर दिखाई दिए थे। टीम के गेंदबाज आखिरी दो सेशन में सिर्फ एक ही विकेट निकालने में सफल रहे थे और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में कामयाब रहा था।

## सुरेश रैना : टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज, विश्व कप 2011 में निभाई थी अहम भूमिका

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। वह टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने वनडे विश्व कप 2011 में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। सुरेश रैना का जन्म 27 नवंबर 1986 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में हुआ। रैना की क्रिकेट में दिलचस्पी अपने बड़े भाई मुकेश को क्रिकेट खेलते देखकर जागी।

वह मुरादनगर के वीनस क्रिकेट क्लब में भाई के साथ जाया करते थे। रैना ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। रैना ने क्लब स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह बना ली। अंडर-17 और अंडर-19 टीमों के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद रैना ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 2003 में किया। घरेलू क्रिकेट में रैना ने लगातार अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया। 109 फर्स्ट-क्लास मैचों में रैना ने 42.15 की औसत से खेलते हुए 6,871 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 14 शतक और 45 अर्धशतक लगाए। रैना को भारतीय टीम से पहली बार बुलावा साल 2005 में आया। उन्होंने अपना इंटरनेशनल डेब्यू श्रीलंका के खिलाफ 2005 में किया। इसके ठीक एक साल बाद यानी 2006 में रैना ने अपना पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला।

अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली और सूझबूझ भरी पारियां खेलकर रैना ने जल्द ही भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। 2 मई, 2010 को टी20 विश्व कप के मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए रैना ने शतकीय पारी खेली। वह क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में यह कारनामा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। रैना क्रिकेट के तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगाने वाले भी पहले भारतीय बल्लेबाज बने। उन्होंने 60 गेंदों में 101 रन बनाए। वहीं, वनडे विश्व कप 2011 में भी रैना ने भारतीय टीम को चैंपियन बनाने में अहम किरदार निभाया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 34 रनों की अहम पारी खेली, तो सेमीफाइनल में अंत के ओवरों में उनके द्वारा खेली गई 36 रनों की पारी भारतीय टीम के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हुई।

रैना 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहे। रैना ने भारत के लिए खेले 226 वनडे मैचों में 35.31 की औसत से 5,615 रन बनाए। वहीं, 78 टी20 मुकाबलों में उन्होंने 134 के स्ट्राइक रेट से 1,605 रन बनाए। क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में रैना को सिर्फ 16 टेस्ट मैच खेलने का ही मौका मिला और इस दौरान उन्होंने 768 रन बनाए।

## लिवरपूल ने दर्ज की धमाकेदार जीत, मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्पोर्टिंग सीपी का मुकाबला 2-2 से रहा ड्रॉ

**नई दिल्ली (एजेंसी)**



चैंपियंस लीग में लिवरपूल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब ब्रुग को 3-0 से हराया। इस मैच में अलेक्जेंडर इसाक ने दो गोल किए, जबकि फ्लोरियन विर्ट्ज ने भी एक शानदार लॉन्ग-रेंज गोल दागा। जान ब्रेयडेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में ही अलेक्जेंडर इसाक ने करीब से गोल करके लिवरपूल को बढ़त दिला दी।

लिवरपूल का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया और मैच के अंत में फ्लोरियन विर्ट्ज और इसाक के बेहतरीन गोलों की मदद से 3 अंक पक्के कर लिए। डोमिनिक सोबोस्जलाई के पास पर इसाक ने गोल करके लिवरपूल को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। इस दौरान यान सोमर ने हंगरी के खिलाड़ी सोबोस्जलाई के करीब से लिए गए शॉट को रोक दिया, जबकि दूसरे हाफ में लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने फेलिक्स लेमारेचल के शॉट को बाहर कर दिया। मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले रियो न्गुमोहा के पास पर विर्ट्ज ने गेंद को पोस्ट के सहारे गोल में बदल दिया। इसके बाद, एलिसन की लंबी पास पर इसाक ने शानदार तरीके से गेंद को कंट्रोल करते हुए एक और गोल दागा। एंडोनी इराओला की टीम ने लीग चरण में अब तक 15 में से 12 अंक हासिल कर लिए हैं। उनका अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर एफसी पोर्टो के खिलाफ होगा। वहीं, स्पोर्टिंग सीपी में वापसी करते हुए ब्रूनो फर्नांडीस ने दो गोल किए, लेकिन मैनचेस्टर यूनाइटेड को मौरिसियो पोचेटिनो के नेतृत्व में अपनी पहली जीत नहीं मिल सकी और मैच 2-2 से ड्रॉ रहा।

जोस अलवालाडे स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक पहले हाफ में लुइस सुआरेज ने पहले एक पेनल्टी मिस की, लेकिन बाद में उसी जगह से गोल करने में सफल रहे। इस बीच, अमाद का एक गोल फाउल के कारण रद्द कर दिया गया। हाफ-टाइम के तुरंत बाद फर्नांडीस ने 12 गज की दूरी से गोल किया। इसके बाद, उनका एक लॉन्ग-रेंज शॉट मैदान पर उछलकर सीधे नेट में चला गया। सुआरेज ने सेने लैमेंस की गलती का फायदा उठाते हुए स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड को लगा कि उन्हें जीत मिल गई है, जब काइके ने एक 'ओन गोल' (अपनी ही टीम के खिलाफ गोल) कर दिया, लेकिन फाउल के कारण इसे अमान्य करार दिया गया।मैच के अंत में और भी ड्रामा देखने को मिला, जब इंजरी टाइम में दो येलो कार्ड मिलने के कारण यूरी टिलेमैन्स को मैदान से बाहर जाना पड़ा। दूसरी ओर, बेंच से उतरकर आए लौटारो मार्टिनेज ने अपना 28वां चैंपियंस लीग गोल किया और स्टटगार्ट के खिलाफ इंटर मिलान को 2-0 से जीत दिलाई। मेहमान टीम ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन फॉरवर्ड एर्मेडिन डेमिरोविच ने कई मौके गंवा दिए।

## विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी अपने विजय रथ को बरकरार रखना चाहेगी भारतीय टीम

**भोपाल (एजेंसी)**



लगातार पांच जीत दर्ज करके शानदार फॉर्म में मौजूद भारतीय विमेंस हॉकी टीम शुक्रवार को नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत ने 2016, 2023 और 2024 में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। अब टीम अपने चौथे खिताब की तलाश में है, जो उसे इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बना देगा।

भोपाल संस्करण की शुरुआत से पहले, भारत और साउथ कोरिया दोनों के नाम तीन-तीन चैंपियनशिप थीं। मुख्य कोच स्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। मौजूदा चैंपियन ने 23 गोल किए हैं और केवल चार गोल खाए हैं, जिससे उनका गोल अंतर प्लस 19 रहा है। भोपाल में भारत का अब तक का प्रदर्शन उनकी आक्रामक क्षमता और मजबूत डिफेंस को दर्शाता है। इसी शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) रैंकिंग में विश्व नंबर 4 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गई है।

दीपिका इस टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने आठ गोल के साथ स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ लगाई गई हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, मेजबान टीम की ताकत सिर्फ उनके टॉप स्कोरर तक ही सीमित नहीं है। लालरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया है। मिडफील्ड में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है, जबकि कप्तान सलीमा टेटे ने अपने पासिंग, मूवमेंट और नेतृत्व क्षमता से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के योगदान ने यह साबित किया है कि भारत मैदान के अलग-अलग हिस्सों से हमले करने और मौके बनाने में सक्षम है।

इस विविधता की बदौलत कोच मारिन को आक्रामक खेल दिखाने और सेट-पीस मौकों का बेहतर फायदा उठाने में मदद मिली है। भारत के लिए पेनल्टी-कॉर्नर रूटीन भी गोल करने का एक अहम जरिया रहा है, जिसमें दीपिका सबसे आगे हैं। अगर मलेशिया अपनी डिफेंस को मजबूत रखता है और भारत को सर्कल के अंदर सीधे जाने से रोकता है, तो भारत के लिए अपने सेट-पीस रूटीन में विविधता बनाए रखना बहुत जरूरी होगा। मलेशिया के लिए भारत को सर्कल के अंदर जाने से रोकना और उन्हें पेनल्टी-कॉर्नर के मौके न देना, उनकी चुनौती का एक अहम हिस्सा होगा। वहीं, मलेशिया पांच मैचों में सात अंकों के साथ चौथा स्थान हासिल करने के बाद, पूरे आत्मविश्वास के साथ सेमीफाइनल में उतरेगा। उनके लीग अभियान में चीन के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ और साउथ कोरिया पर 3-1 की जीत शामिल थी। इसके बाद उन्होंने राउंड-रॉबिन चरण का समापन थाईलैंड पर 4-0 की शानदार जीत के साथ किया। मलेशियाई टीम ने अपने आखिरी मैच में जबरदस्त जज्बा दिखाया था।

पहले तीन क्वार्टर तक कोई गोल नहीं हुआ था, लेकिन आखिरी छह मिनट में उन्होंने चार गोल दागे थे। इस टूर्नामेंट में अब तक नूरमिराह जुल्किफली ने चार गोल किए हैं और वह मलेशिया की मुख्य हमलावर खिलाड़ियों में से एक रही हैं।

## चैंपियंस लीग : बार्सिलोना ने सबाह एफके को 4-1 से हराया, पीएसजी-रोमा के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा मुकाबला

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

एफसी बार्सिलोना ने बाकू में सबाह एफके को 4-1 से हराया। एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल की मदद से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग चरण में अपने पांचवें मैच में चौथी जीत दर्ज की। शुरुआत से ही गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखने के बावजूद, बार्सिलोना को अजरबैजानी टीम के अनुशासित डिफेंस को भेदने में शुरुआती संघर्ष करना पड़ा।

हाफ-टाइम के बाद, गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन गेंद रिबाउंड होकर गॉर्डन के पास आई, जिन्होंने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। जीसस ने तीसरा गोल किया, जबकि जॉय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ अपनी टीम के लिए एक गोल किया। अदेयेमी पांचवां गोल करने के करीब थे, लेकिन पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। हालांकि, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने के लिए पर्याप्त काम कर लिया था। इस बीच, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर एएस रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। मारियो हर्मोसो (5वें मिनट) के शुरुआती गोल के जवाब में इल्या जबार्नी (31वें मिनट) ने पीएसजी के लिए अपना पहला कॉन्टिनेंटल गोल किया। इसके बाद दूसरे हाफ में पेरिस के लिए उस्मान डेम्बेले (62वें मिनट) और रोमा के लिए डोन्येल मालेन (78वें मिनट) ने पेनल्टी से गोल किए, जिससे दोनों टीमों के बीच हुआ पहला मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ।

## ईयर एंडर 2026 : टी20 विश्व कप का खिताब, छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

**नई दिल्ली (एजेंसी)**




भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 बेमिसाल रहा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया अपनी ही धरती पर टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी। इसके साथ ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल के अलावा टीम ने छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। टी20 विश्व कप का खिताब: भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराने के साथ ही भारत टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही अपनी घरेलू सरजमीं पर टीम इंडिया चैंपियन बनने वाली पहली टीम भी बनी। भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा और टीम को सिर्फ एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए संजू सैमसन ने सर्वाधिक 321 रन बनाए जबकि 8 मैचों में 14 विकेट लेकर बेस्ट गेंदबाज रहे। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडलः जापान की धरती पर खेले गए एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय क्रिकेट टीम का जलवा रहा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन ईशान किशन ने बनाए जबकि अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे। एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा छक्केःसाल 2026 में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत एक कैलेंडर ईयर में 400 छक्के लगाने वाला दुनिया का पहला देश बना। भारतीय टीम यह मुकाम 1 नवंबर, 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले में हासिल किया। वनडे में सबसे बड़ा रन चेजः भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 30 सितंबर 2026 को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। टीम इंडिया ने 406 रनों के लक्ष्य को सफलतापूर्वक हासिल करते हुए वनडे में अपना सबसे बड़ा रन चेज पूरा किया। यह वनडे क्रिकेट इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज भी रहा। भारत की तरफ से इस मुकाबले में कप्तान शुभमन गिल ने 223 रनों की नाबाद पारी खेली। -

## विश्व टेस्ट चैंपियनशिप : फाइनल की दौड़ से बाहर हुआ बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका का दावा मजबूत

**दुबई (एजेंसी)**



दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर दिया है। दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम ने पारी और 219 रन से बड़ी जीत दर्ज की। यह मुकाबला सिर्फ तीन दिन में समाप्त हो गया। इस हार के साथ बांग्लादेश की टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 के फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है। वहीं, मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका ने अंक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। भारतीय टीम चौथे स्थान पर बनी हुई है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका की जीत के हीरो वियान मुल्डर रहे। उन्होंने पहली पारी में शतक लगाकर टीम को 494/7 के स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

इसके बाद दूसरी पारी में 31 रन देकर सात विकेट झटके और बांग्लादेश की पारी 184 रन पर समेट दी। इस प्रदर्शन के साथ मुल्डर टेस्ट क्रिकेट में एक ही मैच में शतक लगाने और सात विकेट लेने वाले छठे खिलाड़ी बन गए। वह ऐसा करने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले क्रिकेटर भी हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए मार्क्स एकरमैन ने भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने महज 138 गेंदों में 150 रन बनाए। इस सीरीज में उनके बल्ले से छह पारियों में कुल 470 रन निकले। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में करियर की शुरुआती छह पारियों में यह संयुक्त रूप से पांचवां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एकरमैन ने पहले टेस्ट में भी 157 रन की पारी खेली थी। उन्हें सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

# 'सही टाइम, सही लाइटिंग...', करिश्मा तन्ना ने बताया सोशल मीडिया कितना बदल गया



अभिनेत्री करिश्मा तन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर वीडियो शेयर करती रहती हैं। गुरुवार को उन्होंने एक वीडियो शेयर कर फैंस से जरूरी सवाल भी किया। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें वो पुराने दिन याद आते हैं, जब सोशल मीडिया पर जिंदगी की झलक शेयर करना बहुत आसान था। तब लोग बिना कैमरा एंगल, लाइटिंग और पोस्ट करने के सही टाइम के बारे में सोचे, कोई भी फोटो डाल देते थे। करिश्मा ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, सही तस्वीर सही टाइम पर। इसी से मुझे सबसे ज्यादा रिस्पॉन्स मिलता है। अच्छी लाइटिंग, इवेंट से पहले की तस्वीरें, और तो और कैंडिड फोटो भी पहले से प्लान की जाती हैं। अपनी जिंदगी का थोड़ा सा हिस्सा शेयर करना इतना बड़ा काम कब बन गया? उन्होंने आगे लिखा, मुझे वो पुराने दिन याद आते हैं, जब मैं डिनर की कोई धुंधली सी तस्वीर या अपने डॉग कोको की कोई रैंडम फोटो सिर्फ इसलिए डाल देती थी, क्योंकि उसे देखकर मुझे खुशी मिलती थी। वो कैंडिड थी, वो असली थी और वो मैं थी। खैर, मैं ये पोस्ट अभी इसलिए कर रही हूं क्योंकि मेरा मन कर रहा है। चाहे ट्रैक्शन का टाइम कुछ भी हो। करिश्मा ने फरवरी 2022 में बिजनेसमैन वरुण बंगेरा से एक छोटे से समारोह में शादी की थी। इस कपल ने 29 जुलाई 2026 को अपने पहले बच्चे, बेटे वेद का स्वागत किया था। करिश्मा तन्ना इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मॉम 2' को लेकर चर्चा में हैं, जो दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की 2017 की फिल्म 'मॉम' का सीक्वल है। इस थ्रिलर फिल्म का निर्देशन गिरीश कोहली कर रहे हैं। इसे बोनी कपूर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में करिश्मा तन्ना के साथ खुशी कपूर और जिशु सेनगुप्ता अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग मुंबई और ग्रीस के अलावा यमुना एक्सप्रेसवे के पास फिल्म सिटी में भी की गई है। **(एजेंसी)**

# सारा अर्जुन की यशराज फिल्म्स में एंट्री, मनीष शर्मा की लव स्टोरी में आएंगी नजर

फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में आईं सारा अर्जुन के हाथ एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। खबरों के मुताबिक, सारा जल्द ही यशराज फिल्म्स की एक नई फिल्म में नजर आ सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन मनीष शर्मा करेंगे। खास बात यह है कि फिल्म एक म्यूजिकल लव स्टोरी होगी, जिसमें आठ गाने होने की बात कही जा रही है। मिड-डे की रिपोर्ट के मुताबिक, सारा अर्जुन की यह यशराज फिल्म्स के साथ पहली फिल्म होगी। फिलहाल फिल्म की तैयारियां चल रही हैं। इसकी शूटिंग जनवरी 2027 में पंजाब में शुरू होने की उम्मीद है। सारा इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी। वहीं, वेब सीरीज 'सपने वर्सेज एवरीवन' से पहचान बनाने वाले अभिनेता अम्बरीश वर्मा भी फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं। हालांकि, बाकी कलाकारों और उनके किरदारों को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। मिड-डे को एक सूत्र ने बताया, 'सारा की अगली फिल्म यशराज फिल्म्स के साथ एक लव स्टोरी है। फिल्म की तैयारियां चल रही हैं और वह जनवरी में पंजाब में इसकी शूटिंग शुरू करेंगी। इस फिल्म की सबसे खास बात इसका म्यूजिक होगा। खबरों के मुताबिक, फिल्म में आठ गाने रखे जाएंगे। यानी कहानी को आगे बढ़ाने में गानों की अहम भूमिका होगी। इस फिल्म के जरिए सारा अर्जुन और



निर्देशक मनीष शर्मा पहली बार साथ काम करेंगे। मनीष इससे पहले 'बैंड बाजा बारात' और 'शुद्ध देसी रोमांस' जैसी रोमांटिक फिल्में बना चुके हैं। मनीष शर्मा ने साल 2010 में रणवीर सिंह और अनुष्का शर्मा की फिल्म 'बैंड बाजा बारात' से निर्देशन की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने 2013 में 'शुद्ध देसी रोमांस' बनाई, जिसमें सुशांत सिंह राजपूत, परिणीति चोपड़ा और वाणी कपूर नजर आए थे। मिड-डे से बातचीत में एक सूत्र ने कहा, मनीष 'बैंड बाजा बारात' और 'शुद्ध देसी रोमांस' जैसी आज के दौर की प्रेम कहानियों के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में एक बार फिर युवा कलाकारों के साथ उनका काम देखना दिलचस्प होगा। मनीष शर्मा की पिछली निर्देशित फिल्म 'टाइगर 3' थी, जो 2023 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सलमान खान और कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में थे। अब उनका नया प्रोजेक्ट उन्हें एक बार फिर रोमांटिक फिल्मों की दुनिया में लेकर आ सकता है। फिलहाल इस फिल्म को लेकर यशराज फिल्म्स ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सारा अर्जुन की कास्टिंग और फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारियों की भी पुष्टि होना बाकी है। ऐसे में फिल्म से जुड़ी ये सभी जानकारियां फिलहाल मीडिया रिपोर्ट्स और सूत्रों के हवाले से सामने आई हैं। **(एजेंसी)**



# 'कॉल मी बे' और 'द रॉयल्स' के कलाकारों से बहुत कुछ सीखने को मिला : लिसा मिश्रा

अभिनेत्री और सिंगर लिसा मिश्रा ने अपने एक्टिंग सफर के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने बताया कि इस सफर में उन्हें इंडस्ट्री के कई बेहतरीन कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। अलग-अलग पीढ़ियों और पृष्ठभूमि से आने वाले कलाकारों के साथ काम करना उनके लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है। अपने अब तक के सफर और इससे मिली सीख के बारे में बात करते हुए लिसा मिश्रा ने कहा, 'मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं कि अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत में ही मुझे इतने शानदार और प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला।' उन्होंने आगे बताया, कॉल मी बे' और 'द रॉयल्स' दोनों में अलग-अलग पीढ़ियों और पृष्ठभूमि के कलाकार एक साथ आए। इस वजह से इन दोनों प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अनुभव और भी खास रहा। अनन्या, वीर, ईशान, भूमि, जीनत और साक्षी जैसे कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए कई मायनों में सीखने वाला अनुभव रहा है। लिसा ने कहा, 'हर कलाकार सेट पर अपनी अलग ऊर्जा, सोच और काम करने का तरीका लेकर आता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि अपने आसपास के लोगों को ध्यान से देखूं और उनसे ज्यादा से ज्यादा सीखूं। मेरा मानना है कि एक अभिनेता के तौर पर आप लगातार आगे बढ़ते रहते हैं और इस सफर में जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, उनकी अहम भूमिका होती है।' दोनों सीरीज के दूसरे सीजन को लेकर लिसा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'दोनों शो के दूसरे सीजन के साथ मैं सीखने के इस सिलसिले को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हूं। मैं इन प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ दोबारा सेट पर लौटने और अभिनय की बारीकियों को और करीब से समझने का इंतजार कर रही हूं।' बता दें कि 'कॉल मी बे' एक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है, जिसे इशिता मोइत्रा ने लिखा है और कॉलिन डी'कुन्हा ने निर्देशित किया है। इसमें अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में हैं। उनके साथ वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा और मिनी माथुर भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं। इस सीरीज के दूसरे सीजन को भी मंजूरी मिल चुकी है। वहीं, 'द रॉयल्स' एक रोमांटिक कॉमेडी-ड्रामा सीरीज है। इसका निर्देशन प्रियंका घोष और नुपुर अस्थाना ने किया है, जबकि इसकी कहानी नेहा वीना शर्मा ने लिखी है। सीरीज में भूमि पेडनेकर, ईशान खट्टर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, नोरा फतेही, विहान समत, डिनो मोरिया और मिलिंद सोमन जैसे कलाकार नजर आते हैं। **(एजेंसी)**



# अंगद बेदी ने की पत्नी नेहा धूपिया की तारीफ, बोले-'मेरा पूरा परिवार उनकी एनर्जी पर चलता है'

अभिनेता अंगद बेदी इन दिनों पत्नी और अभिनेत्री नेहा धूपिया के साथ पॉडकास्ट 'डबल डेट' होस्ट कर रहे हैं। शो के दौरान अभिनेता ने मां बनने के सफर में नेहा धूपिया की हिम्मत और मेहनत की सराहना करते हुए कहा है कि एक महिला में अलग तरह की ताकत होती है, जिसका वह गहरा सम्मान करते हैं। उन्होंने याद किया कि नेहा ने अपनी 41 दिन की बेटी मेहर को छोड़कर 'रोडीज' के लिए काम किया, जो बेहद मुश्किल था। अंगद ने कहा, 'नेहा ही वो हैं, जो हमारी 41 दिन की मेहर को छोड़कर 'रोडीज' पर गई थीं और ये बहुत मुश्किल था। मुझे लगता है कि एक औरत के पास अलग तरह की ताकत होती है और नेहा के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। एक आदमी के लिए ये कहना आसान है कि 'हमारा काम हो गया, सारा काम हो जाएगा', लेकिन वो काम कर कौन रहा है?' उन्होंने आगे कहा, 'मेरी पूरी दुनिया, छोटा परिवार और मेरे दोनों बच्चे, सब नेहा की एनर्जी पर चलते हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि वह इस शादी को दिल से सही मानते हैं और सभी को शादी करने की सलाह भी देते हैं। हालांकि, बातचीत तब और भावुक हो गई, जब ने 'रोडीज' पर निखिल के साथ हुई अपनी बहस के बारे में मां बनने के सफर को याद किया। नेहा ने कहा, 'मां बनना सिर्फ बच्चे को जन्म देना नहीं होता बल्कि इसके पीछे शरीर और मन की बहुत बड़ी लड़ाई होती है। मेरे शरीर ने दो बार सी-सेक्शन (ऑपरेशन से डिलीवरी) झेला है, डिलीवरी के बाद कई तरह की दिक्कतें आईं और दो बच्चों को ब्रेस्टफीडिंग भी कराया। एक मां को जो शारीरिक और भावनात्मक तकलीफों से गुजरना पड़ता है, उसे सभी को समझने की जरूरत है। **(एजेंसी)**

# चंद्रशेखरन की तीसरे कार्यकाल के लिए नियुक्ति को बंबई उच्च न्यायालय में चुनौती देगा टाटा ट्रस्ट

**मुंबई (एजेंसी)**

सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) और आर डी टाटा ट्रस्ट (आरडीटीटी) बंबई उच्च न्यायालय में टाटा संस और उसके छह निदेशकों के खिलाफ मुकदमा दायर करेंगे। वे एन चंद्रशेखरन को कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में तीसरे पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किए जाने को चुनौती देंगे। एसडीटीटी 50 करोड़ रुपये और आरडीटीटी 15 करोड़ रुपये के हर्जाने की मांग करेंगे।

दोनों ट्रस्ट इस राशि पर सालाना 18 प्रतिशत ब्याज भी मांगेंगे। दोनों ट्रस्टों की ओर से दायर किए जाने वाले मुकदमों के अनुसार, चंद्रशेखरन को दोबारा नियुक्त करने का 17 सितंबर का फैसला अमान्य था, क्योंकि इसे कंपनी के अंतर्नियमों के अनुच्छेद 121 के तहत जरूरी



समर्थन में मत नहीं मिला था। यह विवाद 17 सितंबर को निदेशक मंडल की बैठक में चंद्रशेखरन को टाटा संस का कार्यकारी चेयरमैन अगले पांच साल के लिए फिर से नियुक्त किए जाने के बाद शुरू हुआ।

दोनों ट्रस्ट ने बुधवार रात बंबई उच्च न्यायालय जाने के प्रस्तावों को मंजूरी दी। उनका कहना है कि 17 सितंबर के बाद से इस मामले में भेजे गए पत्रों का कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। ट्रस्ट तत्काल राहत के तौर पर यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि 30 नवंबर की बैठक में निदेशकों के बीच मतभेद होने की स्थिति में चेयरमैन अपने निर्णायक मताधिकार का इस्तेमाल न कर सकें। नोएल टाटा की अध्यक्षता वाले टाटा ट्रस्ट के पास टाटा संस की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ट्रस्ट ने 17 सितंबर को पारित निदेशक मंडल के प्रस्ताव को चुनौती दी है। ट्रस्ट ने 20 सितंबर को जारी बयान में कहा था कि यह प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं हुआ और इसका कोई कानूनी प्रभाव नहीं है। इस विवाद के केंद्र में टाटा संस के अंतर्नियम और ट्रस्ट की ओर से नामित निदेशकों को दिए गए विशेष अधिकार हैं।

टाटा संस के निदेशक मंडल में ट्रस्ट के दो नामित निदेशक नोएल टाटा और वेणु श्रीनिवासन हैं। 17 सितंबर को नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया था, जबकि वेणु श्रीनिवासन ने इसके समर्थन में मतदान किया था। ट्रस्ट के अनुसार, दोनों नामित निदेशकों का इस फैसले के समर्थन में मतदान करना जरूरी था।

# शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे टूटकर 92.40 प्रति डॉलर पर

**मुंबई (एजेंसी)**

रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये के पक्ष में रहा, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बाद फिर तेजी आने और इनके 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यापार युद्ध बढ़ाने के ताजा प्रस्ताव से भी मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बढ़ी है।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.50 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह मजबूत होकर 92.39 तक पहुंचा, लेकिन फिर गिरकर 92.40 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 65 पैसे की बढ़त के साथ 92.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक का इसका सबसे ऊंचा बंद स्तर था। इससे पहले इस साल 16 मार्च को रुपया 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 103.79 पर पहुंच गया।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 95.34 डॉलर प्रति बैरल पर था। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 138.54 अंक बढ़कर 84,076.82 अंक पर था, जबकि निफ्टी 26.05 अंक गिरकर 25,793.20 अंक पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को शुद्ध रूप से 4,479.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

# यूएसटीआर रिपोर्ट : अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए भारत प्रतिबद्ध

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

सरकार ने बुधवार को कहा कि भारत एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है। साथ ही उसने विनिर्माण क्षेत्र में संरचनात्मक अतिरिक्त उत्पादन क्षमता होने के अमेरिकी आरोप को खारिज किया। ये टिप्पणियां अमेरिका द्वारा बुधवार को भारत से आयात पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव किये जाने के बाद आईं। इसमें प्रावधान है कि यदि दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर सहमत होते हैं तो शुल्क को घटाकर



17 प्रतिशत किया जा सकता है। इससे भारत को एशियाई प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले थोड़ी बढ़त मिलेगी।

यह प्रस्ताव अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) की ओर से 16 देशों एवं आर्थिक क्षेत्रों के खिलाफ विनिर्माण क्षेत्रों में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता से संबंधित जांच का हिस्सा है। इन 16 देशों एवं आर्थिक क्षेत्रों में चीन, यूरोपीय संघ, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, कंबोडिया, थाईलैंड, कोरिया, वियतनाम, ताइवान, बांग्लादेश, जापान, नॉर्वे, मेक्सिको और भारत शामिल हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत ने विनिर्माण क्षेत्रों में अतिरिक्त उत्पादन क्षमता से संबंधित 14 अर्थव्यवस्थाओं, जिनमें भारत भी शामिल है, के कृत्यों, नीतियों और तौर-तरीकों को लेकर अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) द्वारा धारा 301 के तहत की जा रही जांच के संबंध में जारी निर्धारण संबंधी नोटिस और टिप्पणियां आमंत्रित करने के अनुरोध पर ध्यान दिया है।

# सितंबर में 4.95 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी : आरबीआई

**मुंबई (एजेंसी)**

भारत में सितंबर में शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 4.95 अरब डॉलर की कमी आई, जबकि अगस्त में 3.3 अरब अमेरिकी डॉलर का शुद्ध प्रवाह आया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय बैंक ने सितंबर में शुद्ध एफडीआई में आई गिरावट के लिए सकल निवेश में कमी के साथ विदेशी निवेशकों की ओर से बढ़ी निकासी और भारतीय कंपनियों के विदेश में निवेश में वृद्धि को प्रमुख कारण बताया। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शुद्ध




एफडीआई बढ़कर 8.8 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.4 अरब डॉलर था। आरबीआई के मुताबिक, सितंबर महीने में भारत में सकल प्रत्यक्ष निवेश घटकर 5.91 अरब डॉलर रह गया, जो अगस्त में 11.07 अरब डॉलर था। वहीं, विदेशी निवेशकों की ओर से निकासी और विनिवेश बढ़कर 6.45 अरब डॉलर हो गया, जो अगस्त में 5.84 अरब डॉलर था। इसकी वजह से सितंबर के दौरान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के तहत 53.8 करोड़ डॉलर की शुद्ध निकासी हुई, जबकि अगस्त में 5.24 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश आया था। इस दौरान भारतीय कंपनियों का विदेश में प्रत्यक्ष निवेश भी अगस्त के 1.93 अरब डॉलर से बढ़कर सितंबर में 4.41 अरब डॉलर हो गया। इससे शुद्ध एफडीआई पर दबाव पड़ा। सितंबर में भारत में सकल प्रत्यक्ष निवेश के प्रमुख स्रोत सिंगापुर और अमेरिका रहे।

इस निवेश का दो-तिहाई से अधिक हिस्सा विनिर्माण, संचार और कंप्यूटर सेवा क्षेत्रों में आया। वहीं, विदेशों में हुए भारतीय कंपनियों के कुल निवेश में विनिर्माण तथा वित्तीय, बीमा और कारोबारी सेवा क्षेत्रों की हिस्सेदारी करीब 80 प्रतिशत रही। नीदरलैंड, सिंगापुर और अमेरिका भारतीय कंपनियों के निवेश के प्रमुख गंतव्य रहे। पोर्टफोलियो निवेश के मोर्चे पर सितंबर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 6.65 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की, जबकि अगस्त में उन्होंने 1.87 अरब डॉलर का निवेश किया था।

आरबीआई के अनुसार, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच अक्टूबर में भी एफपीआई की 1.2 अरब डॉलर की निकासी जारी रही। हालांकि, महीने के दूसरे पखवाड़े में आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) में निवेश से निकासी की रफ्तार कुछ धीमी हुई।